R. K. Advertising
के माध्यम से 'जैन गजट' में
विज्ञापन बुक कराने हेतु
सम्पर्क करें-
शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता-जैन गजट
मो. 9667168267
रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर
(आर. के. एडवरटाइजिंग)
मो. 8003892803
ईमेल
rkpatni77@gmail.com

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

उत्तर प्रदेश जैन तीर्थंकरों की महत्वपूर्ण भूमिः मुख्यमंत्री

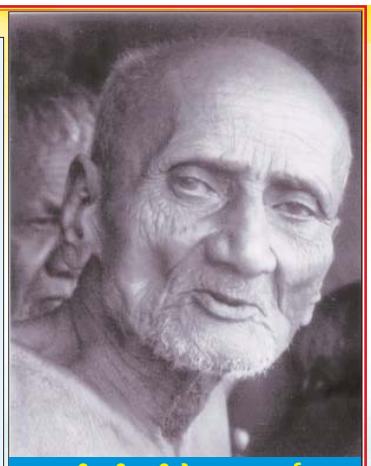

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 24 कुल पृष्ठ 20 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 14 अप्रैल 2025, वीर नि. संवत् 2551

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

।।श्री शांति-वीर-शिव-धर्म-अजित-वर्धमान-परम्पराचार्येभ्यो नमः।।

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शांतिसागर जी महाराज

प्रथम पट्टाचार्य चारित्र चूड़ामणि आचार्य 108 श्री वीरसागर जी महाराज

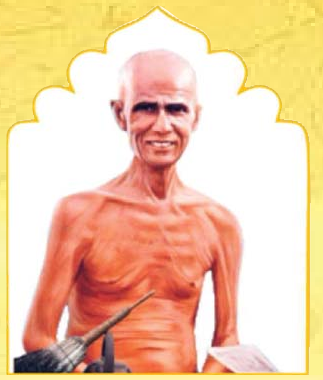

द्वितीय पट्टाचार्य सिद्धांत संरक्षक आचार्य 108 श्री शिवसागर जी महाराज

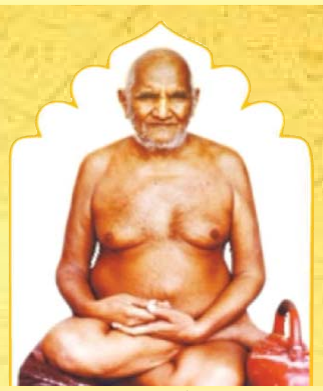

तृतीय पट्टाचार्य धर्म शिरोमणि आचार्य 108 श्री धर्मसागर जी महाराज

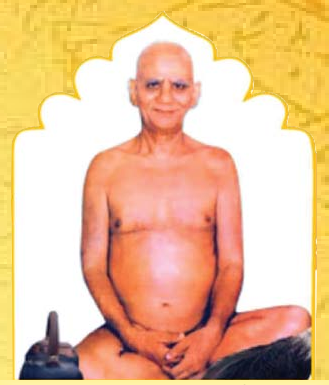

चतुर्थ पट्टाचार्य अभिक्षण ज्ञानपयोगी आचार्य 108 श्री अजितसागर जी महाराज

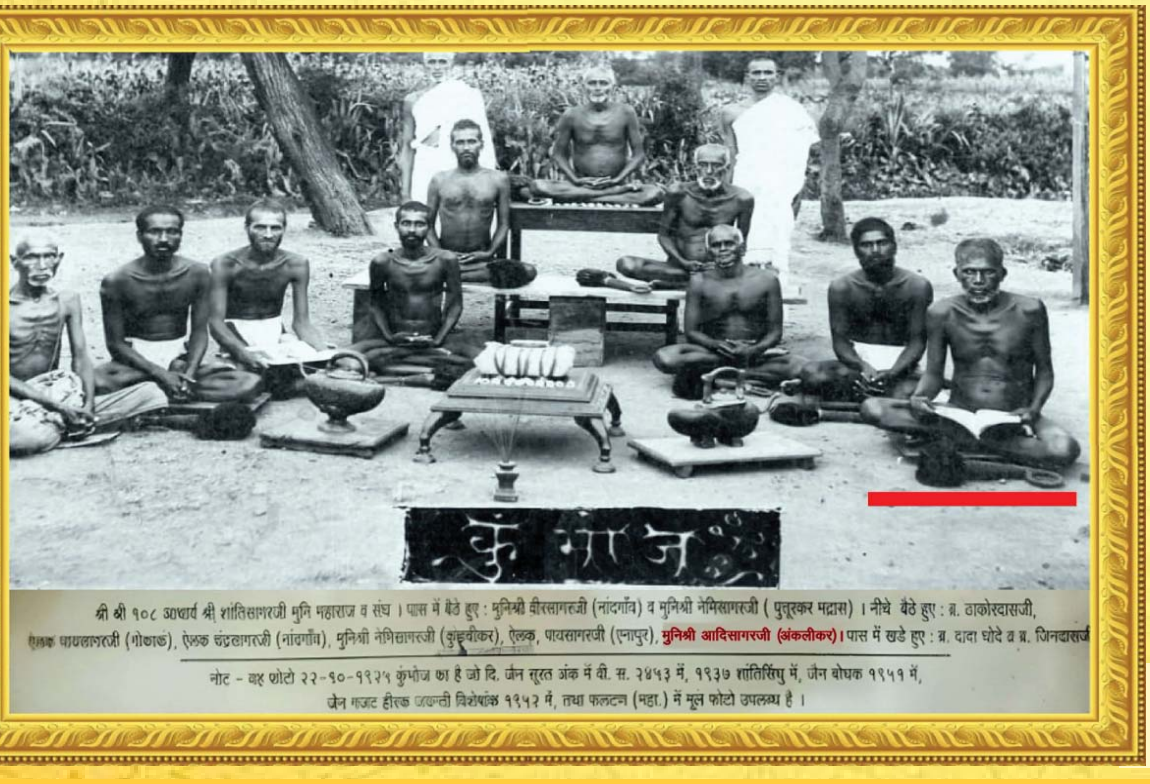

श्री श्री १०८ आचार्य श्री शांतिसागरजी मुनि महाराज व संघ । पास में बैठे हुए : मुनिश्री वीरसागरजी (नांदगाँव) व मुनिश्री नेमिसागरजी (पुतूरकर मद्रास) । नीचे बैठे हुए : ब्र. ठाकोरदासजी, ऐलक पायसागरजी (गोकाक), ऐलक चंद्रसागरजी (नांदगाँव), मुनिश्री नेमिसागरजी (कुंड्वीकर), ऐलक, पायसागरजी (एनापुर), मुनिश्री आदिसागरजी (अंकलीकर)। पास में खडे हुए : ब्र. दादा घोदे व ब्र. जिनदासजी

नोट - वह फोटो २२-१०-१९२५ कुंभोज का है जो दि. जैन सूरत अंक में वी. स. २४५३ में, १९३७ शांतिसिंधु में, जैन बोधक १९५१ में, जैन गजट हीरक जयन्ती विशेषांक १९५२ में, तथा फलटन (महा.) में मूल फोटो उपलब्ध है ।

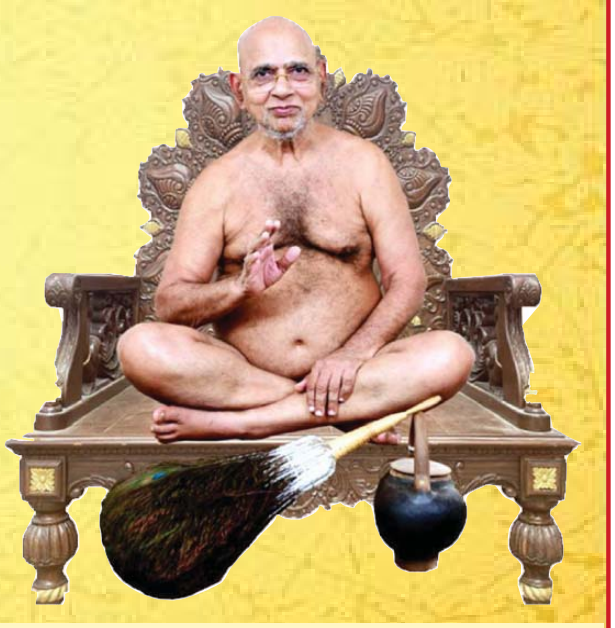

वात्सल्य वारिधि, जिनधर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव, पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

सन् 1925 के कुंभोज चातुर्मास में प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शान्तिसागर जी महाराज के श्री चरणों में साधनारत

मुनिश्री आदिसागर महाराज (अंकलीकर)

पुण्यार्जक/नमनकर्ताः प्रकाशचन्द्र बड़जात्या-संतोष देवी, शैलेन्द्र-सुनीता, नीरज-निकिता एवं परिवार
श्रीनिवास रोडवेज प्रा. लि., चेन्नई/दिल्ली/कोलकाता

सुमति धाम में पट्टाचार्य महोत्सव... न भूतो न भविष्यति

27 अप्रैल को श्रमणाचार्य विशुद्धसागर महाराज सहित 350 संत पहुंचेंगे सुमति धाम

राजेन्द्र जैन 'महावीर', सनावद,
जिला खरगोन (म.प्र.)

इन्दौर। न किसी ने सोचा होगा, न किसी ने आज तक देखा होगा, ऐसा अद्भुत, अनुपम, अकल्पनीय होगा, आत्मान्वेषी, प्रत्यग आत्मदर्शी, संतवाद-पंथवाद-ग्रंथवाद से मुक्त, अध्यात्मयोगी, शताब्दी देशनाकार, चर्या शिरोमणि श्रमणाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज का पट्टाचार्य महोत्सव। यह आयोजन 27 अप्रैल से 2 मई 2025 तक सुमति धाम, गोधा एस्टेट इन्दौर में आयोजित होने जा रहा है। यह महोत्सव विश्व जैन जगत के इतिहास का अभूतपूर्व आयोजन होगा जिसकी परिकल्पना युवा दम्पत्ति सपना-मनीष गोधा ने कर इन्दौर दिगम्बर जैन समाज को अनमोल अवसर उपलब्ध कराया है, जिसकी गूंज इन्दौर की गली-गली, नगर-नगर में व्याप्त होने के साथ महोत्सव की सुगंध विश्वव्यापी बन पड़ी है। आईये जानते हैं इन दिनों क्यों चर्चा में है सुमति धाम, गोधा एस्टेट इन्दौर।

इन्द्रपुरी जैसा हो रहा है इन्दौर का नजारा - विगत वर्ष 2024 में आयोजनों की परम्परा को बदलकर, न बोली, न चंदा, समय के हर पल का सदुपयोग कर सम्पूर्ण विश्व में चर्चा बना था सुमति धाम पंचकल्याणक महोत्सव। वही इतिहास परिमार्जित होकर पुनः सामने आ रहा है। सम्पूर्ण इन्दौर में इन दिनों प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव से अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्म कल्याणक, आचार्य मुनिराज, आर्यिका, संघों का आना, संत मिलन का साक्षी बन आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज के पट्टाचार्य महोत्सव एवं सुमतिधाम की ओर टकटकी लगाकर देख रहा है। हर घर में मंगलाचार गाए जा रहे हैं, हर व्यक्ति इन्दौर पहुंचना चाहता है, इन्दौर इन्द्रपुरी जैसा सज गया है। इन्दौर के आसपास आचार्य, महाराज, मुनिराज, आर्यिका माताजी आदि त्यागियों की सुगंध महक रही है। इन्दौर नगर में प्रतिदिन संतों का आगमन श्रद्धालुओं को आनंद महसूस करा रहा है।

वातानुकूलित देशना मण्डप में होगा पट्टाचार्य महोत्सव- अध्यात्म योगी आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज सहित लगभग 350 संतों के सानिध्य में समस्त मुख्य आयोजन जहाँ सम्पन्न होगे उस मण्डप का नाम देशना मंडप होगा। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए 20 हजार क्षमता वाला यह मण्डप एयर कंडीशन (AC) होगा। सम्पूर्ण संघ के स्वाध्याय हेतु वात्सल्य मण्डप, उपस्थित साधर्मीजनों के लिए पच्चीस-पच्चीस हजार की क्षमता वाली चार भोजनशालाएं होंगी। जिसमें समाजजन सुस्वादु भोजन कर सकेंगे। शुद्ध सोला की भोजनशाला पृथक से होगी जिसमें 5000 त्यागीवृति भोजन कर सकेंगे। ब्रह्मचारी भैया-दीदी, विद्वानों व भटट्टारक स्वामीजी की आहारचर्या भी पृथक-पृथक आहारकक्षों में संपन्न होगी।

संतों के आहार के लिए 360 चौकेः पट्टाचार्य महोत्सव में पहुंच रहे आचार्य मुनिराज, आर्यिका, ऐलक, क्षुल्लक महाराज सहित लगभग 350 पिच्छीधारी दिगम्बर परम्परा के संत पहुंच रहे हैं। 24 घण्टे में एक बार आहार ग्रहण करने वाले संतों के लिए 360 चौके बनाए गए हैं, जहां शुद्ध आहार समाजजन बनाकर संतों का पड़गाहन करेंगे। हे स्वामी। नमोस्तु ! नमोस्तु नमोस्तु की गूंज से होने वाला पड़गाहन का दृश्य किसी आश्चर्य से कम नहीं होगा। आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज सुमतिधाम स्थित सौभाग्य सदन में व मुनिसंघ आचार्य विमलसागर भवन में, आर्यिका माताजी आचार्य विरागसागर भवन में विश्राम करेंगे। 65 एकड़ में होगी सम्पूर्ण व्यवस्थाएं: पट्टाचार्य महोत्सव व श्रमण परम्परा के महाकुंभ के लिए सुमतिधाम में चौबीसों घण्टे कार्य संपन्न हो रहा है। सपना-मनीष गोधा अपनी सम्पूर्ण टीम के साथ एक-एक कार्य को करीने से करा रहे हैं। महोत्सव स्थल पर डारमेट्री, एयर कंडीशन कॉटेज, ज्ञान शाला, विरागउदय, आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज द्वारा लिखित शास्त्र प्रदर्शनी, बाल संस्कार शिविर, प्ले झोन, इमर्सिव झोन, स्वर्ग-नर्क, समवशरण रचना, चाय-काफी शॉप सहित अनेक अभूतपूर्व व्यवस्थाएं गुरु भक्तों के लिए की गई हैं।

2000 ड्रोन, लेजर शो की होगी शानदार प्रस्तुति - जैन जगत व इन्दौर के इतिहास में हमेशा नया सोच रखने वाले दम्पति सपना-मनीष गोधा ने बताया कि प्रोजेक्शन मेपिंग के जरिये जैन आगम की सुंदर कहानियां, आदिनाथ गाथा, महावीर गाथा, सम्राट खारवेल गाथा आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ आधुनिकतम लेजर शो, 2000 ड्रोन से प्रस्तुति एक ऐसा आयोजन है जो प्रतिदिन सुमति धाम में होगा।

स्वस्ति मेहुल जैन की भक्ति संध्याः राम जन्मभूमि प्रतिष्ठा महोत्सव अयोध्या से पूर्व 'राम आएंगे तो अंगना सजाएंगे' की भाव विभोर प्रस्तुति में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित सम्पूर्ण विश्व में ख्याति पा चुकी स्वस्ति मेहुल जैन की भक्ति संध्या, भक्ति के सारे रिकार्ड तोड़ने वाली है। आरती मण्डप में मुम्बई के कलाकारों जिन्होंने अंबानी के यहाँ प्रस्तुतियां दी हैं वे कलाकार पट्टाचार्य महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देकर आयोजन को अभूतपूर्व ऊंचाईयां देंगे। सुमति धाम में उपस्थित श्रद्धालु जैन तीर्थों की डिजिटल तीर्थयात्रा का आनंद लेकर एक अनुपम अनुभूति प्राप्त करेंगे। 27 अप्रैल को भव्य मंगल प्रवेश, 30 अप्रैल को होगा आचार्य प्रतिष्ठापन - चर्या शिरोमणि श्रमणाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज का भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश 27 अप्रैल को प्रातः 6 बजे जुलूस के रूप में महावीर बाग से प्रारंभ होकर सुमतिधाम धाम पहुंचेगा, जिसमें पूरा मार्ग अद्भुत तरीके से सजाया जाएगा। 30 अप्रैल 2025 को भव्यातिभव्य जुलूस प्रातः 6.30 बजे से सुमति धाम मंदिर से देशना मण्डप जाएगा, जहाँ प्रातः 7 बजे देशना मण्डप में लगभग 350 पिच्छीधारी संतों के बीच पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा संस्कार महोत्सव होगा। प्रतिदिन, प्रातःकाल व दोपहर में देशना मण्डप में आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के प्रवचन होगे। पत्रकार सम्मेलन, विद्वत गोष्ठी, गणाचार्य विरागसागर जी की 62 वीं जन्म जयंती गुणानुवाद सभा होगी।

पट्टाचार्य महोत्सव में प्रतिदिन नित नूतन आयोजन देखने को मिलेंगे। 2 मई 2025 को गणाचार्य विरागसागर जी महाराज की 62 वीं जन्म जयंती समारोह के अवसर पर गुणानुवाद सभा होगी। 27 अप्रैल को दोपहर में पत्रकार सम्मेलन, 1 मई को जल बिन्दु महाकाव्य पर राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सहित अनेक आयोजन होंगे।

रजिस्ट्रेशन के साथ होगा प्रवेश - पट्टाचार्य महोत्सव स्थल सुमति धाम गोधा एस्टेट इन्दौर में सम्पूर्ण प्रवेश रजिस्ट्रेशन के माध्यम से ही होंगे। रजिस्ट्रेशन में आधार कार्ड के साथ मोबाइल से रजिस्ट्रेशन लिंक के माध्यम से अपना पंजीयन कराना आवश्यक है। रजिस्ट्रेशन लिंक व्हाटसएप ग्रुपों पर उपलब्ध है। जैन इतिहास के इस अभूतपूर्व आयोजन में सम्पूर्ण इन्दौर का दिगम्बर जैन समाज पलक पवाड़े बिछाकर आचार्य संघों की आगवानी कर रहा है। सम्पूर्ण देश-विदेश के भक्त इन्दौर में आने के लिए बेताब हैं। सुमतिधाम गुरु भक्त परिवार ने आग्रह किया है कि इतिहास के इस अनूठे आयोजन में अपनी सहभागिता का अर्घ्य समर्पित कर आयोजन के साक्षी बनें।

अधिक जानकारी के लिए सुमतिधाम हेल्पलाइन नंबर रजिस्ट्रेशन https%//sumatidham.com पर करें। 8719995010, 11, 12 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जैन गजट को शीघ्र आवश्यकता है

1895 से प्रकाशित हो रहे जैन समाज के सर्वाधिक प्रसार संख्या वाले जैन गजट साप्ताहिक के सदस्य बनाने, विज्ञापन बुक करने एवं जैन समाज के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के समाचार भेजने हेतु देश भर में जगह जगह संवाददाताओं की शीघ्र आवश्यकता है। आकर्षक कमीशन एवं अन्य लाभ योग्यतानुसार। आवेदन जैन गजट के वाट्सऐप नं. 7505102419 या 9415108233 पर भेजिये। आवेदन प्राप्त होने पर आपसे संपर्क किया जावेगा।

संपर्क - जैन गजट, ऐश बाग, लखनऊ,
मो. 9415008344, 7607921391, 7505102419,
Email- jaingazette2@gmail.com
www.jaingazette.com

राजकीय अतिथि, कवि, हृदय, वात्सल्य मूर्ति, अभीक्षण ज्ञानपयोगी, आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी मुनिराज अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में विराजमान हैं

शशांक वाणी

जिनके चरणों में लगी हुई तीर्थों की पावन रजकण, बड़े भाग्य से मिल पाता
उन चरणों का स्पर्शन जिनकी हितमित प्रिय वाणी हरती है धरती का क्रंदन,
ऐसे आचार्य शशांक सागर जी के चरणों में हमारा शत शत नमन

अहंकार अधिकारों के दुरुपयोग का फल है

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

1. श्रेष्ठी ऋषभ कुमार सेठी (अध्यक्ष तिलक नगर, जयपुर)
2. पवन कुमार बड़जात्या मरवावाले किशनगढ़
3. श्रेष्ठी विनित चांदवाड़ (सिद्धार्थ नगर, जयपर)
4. श्रेष्ठी अनूप चंद जैन (भुसावर वाले, जयपुर)
5. श्रेष्ठी महेश-राकेश कुमार ठोलिया (मारूजी का चैक, जयपुर)

1. अरूण कुमार काला अध्यक्ष (कीर्ति नगर जयपुर)
2. अशोक चांदवाड, (वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर)
3. भंवरी देवी काला ध.प. महेन्द्र काला, (स्वर्णपथ मानसरोवर जयपुर)
4. श्रीमती राखी गंगवाल, (आदिनाथ नगर, जयपुर)

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी,
जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

समाज से विनम्र निवेदन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा द्वारा की जा रही धार्मिक एवं सामाजिक कल्याण की योजनाओं में दान देकर सहयोग प्रदान कीजिये। संस्था को 12A/80G के तहत आयकर में छूट प्राप्त है।

संपर्क मोबाइल/वाट्सअप-
9415008344, 9415108233,
7607921391, 7505102419

SHRI BHATRATVARSHIYA DIGAMBER JAIN MAHASABHA
ACCOUNT No. - 2405000100033312
RTGS/IFSC/NEFT Code - PUNB0185600
PUNJAB NATIONAL BANK, RAJENDRA NAGAR , Lucknow PIN CODE- 226004 (U P)

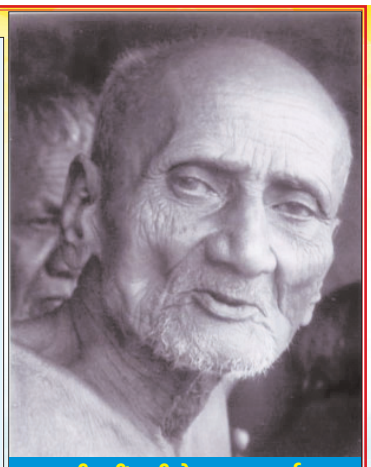

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 24 कुल पृष्ठ 20 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 14 अप्रैल 2025, वीर नि. संवत् 2551

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

युद्ध जैसी वैश्विक चुनौतियों का सटीक जवाब है जैन धर्म : मोदी

नवकार महामंत्र दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया जनता के बीच जाप, कहा- जैन धर्म की भारत की पहचान बनाने में अमूल्य भूमिका

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जैन धर्म ने भारत की पहचान बनाने में एक अमूल्य भूमिका निभाई है। जैन धर्म के मूल्य आतंकवाद, युद्ध और पर्यावरण, संरक्षण जैसी वैश्विक चुनौतियों का सटीक जवाब हैं। जैन साहित्य भारत के आध्यात्मिक वैभव की रीढ़ है। उनकी सरकार इसे संरक्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है जिसमें प्राचीन ग्रंथों का डिजिटलीकरण और पाली व प्राकृत को शास्त्रीय भाषाएं घोषित करना शामिल हैं।

श्वेत वस्त्रों में नंगे पांव आए प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को सुबह विज्ञान भवन में 'नवकार महामंत्र दिवस पर सभा को संबोधित करने से पहले पूरे श्रद्धाभाव से दर्शक दीर्घा में उपस्थित लोगों के बीच बैठ गए। सीधे मंच पर जाने के बजाय उन्होंने जैन धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप विनम्रता और समानता का परिचय देते हुए हाथ जोड़कर सबको नमन किया। उन्होंने इस आयोजन का उद्घाटन करते हुए सबके साथ 'नवकार महामंत्र', जिसे 'णमोकार मंत्र' भी कहते हैं, का जाप किया। आपने कहा कि जैन धर्म में इसका मंथन आंतरिक शांति, आध्यात्मिक उत्थान और अहिंसा के लिए होता है। राष्ट्र की प्रगति और आध्यात्म को जोड़ते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत की बौद्धिकता और आध्यात्मिक परंपराओं में जैनियों का बहुत योगदान है। विकसित भारत का अर्थ प्रगति के साथ-साथ विरासत भी है। भारत की जड़ों को जब तक सिंचित किया जाता रहेगा, भारत कभी रुकेगा नहीं। भारत कभी थमेगा नहीं और महानता की ऊंचाइयों को छुएगा। जैन समुदाय के धर्मगुरुओं और लोगों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समारोह जैन दर्शन की कालजयी शिक्षाओं, आंतरिक शांति, आत्मबोध और सद्भाव के मूल्यों को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के स्थापत्य और सांस्कृतिक स्वरूप पर भी जैन धर्म का प्रभाव है। जैसे ही आप शारदुल द्वार में प्रवेश करेंगे आपको गलियारे में सम्मेद शिखर दिखेगा। लोकसभा के प्रवेश द्वार पर तीर्थंकर की एक प्रतिमा है। भगवान महावीर का एक चित्र संविधान हाल की छत पर देखा जा सकता है। वहां दीवार पर 24 तीर्थंकरों को दर्शाया गया है।

WONDERFUL 12 Nights / 13 Days
EUROPE
शुद्ध जैन भोजन किचन कारावैन के साथ
वर्ष 2025 मे 7 देशो की सैर
20 April, 18 May, 1 June, 15 June
यूरोप जैन मंदिर के दर्शन
FRANCE, PARIS, ITALY
AUSTRIA, AMSTERDAM
GERMANY, SWITZERLAND
ला: नेमचंद जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ
VAYUDOOT WORLD TRAVELS PVT. LTD.
Mob : +91 9313338256, 9810408256, 9818312056

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

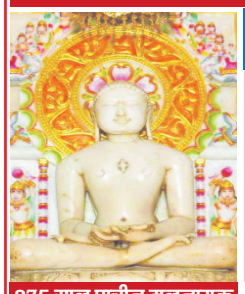

875 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

शांतिधारा : 7:30 AM
संध्या आरती - 7:00 PM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9784857991

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

अन्य जानकारी हेतु स्थानीय संपर्क सूत्र
मनीष गंगवाल-सह अध्यक्ष
मोबाइल नंबर 95880 20330

इस अतिशय क्षेत्र में किसी भी तरह की बोली, चंदा, डाक या राशि का आग्रह वर्जित है।

सम्पादकीय

अपने भीतर के महावीर को जगाएं

जैन परम्परा में 24 तीर्थंकर हुए हैं। वर्तमान कालीन 24 तीर्थंकरों की श्रृंखला में प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव और 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी हैं। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक को देश-विदेश में बड़े ही उत्साह के साथ पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है।

राजघराने में हुआ जन्म: भगवान महावीर को वर्धमान, सन्मति, वीर, अतिवीर के नाम से भी जाना जाता है। ईसा से 599 पूर्व वैशाली गणराज्य के कुण्डलपुर में राजा सिद्धार्थ एवं माता त्रिशला की एक मात्र सन्तान के रूप में चौत्र शुक्ला त्रयोदशी को आपका जन्म हुआ था। तिलोयपण्णत्ति ग्रंथ में आपके जन्म के संबंध में उल्लेख है -

सिद्धत्थराय पियकारिणीहि
णयरम्मिकुंडले वीरो।
उत्तर फगुणि रिक्खे चेत्त सिद
तेरसीए उप्पण्णो।।

महावीर पूजा में लिखा है -
जनम चौत सित तेरस के दिन,
कुण्डलपुर कन वरना।
सुरगिरि सुरगुरु पूज रचायो,
मैं पूजौं भवहरना।।

संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु धर्म का उपदेश दिया: 30 वर्ष तक राजप्रासाद में रहकर आप आत्म स्वरूप का चिंतन एवं अपने वैराग्य के भावों में वृद्धि करते रहे। 30 वर्ष की युवावस्था में आप महल छोड़कर जंगल की ओर प्रयाण कर गये एवं वहां मुनि दीक्षा लेकर 12 वर्षों तक घोर तपश्चरण किया। तदुपरान्त 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पदविहार कर आपने संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु धर्म का उपदेश दिया। ईसा से 527 वर्ष पूर्व कार्तिक अमावस्या को उषाकाल में पावापुरी में आपको निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त हुआ।

नमः श्री वर्धमानाय,
निर्भूत कलिलात्मने।
सालोकानाम् त्रिलोकानाम्
यद्विद्या दर्पणायते ।।

अर्थात् जिन्होंने अपनी आत्मा के कर्ममल को धो डाला है और जिनकी विद्या में अलोकाकाश सहित तीन लोक दर्पणवत् प्रतिबिम्बित होते हैं, उन श्री वर्धमान जिनेन्द्र को नमस्कार है।

महावीर बनने की तैयारी करें: महावीर जयंती हम प्रतिवर्ष मानते हैं, एक बार स्वयं महावीर के रास्ते पर चलने का यदि संकल्प ले लिया तो हम स्वयं महावीर बनने की ओर कदम बढ़ा लेंगे। इसलिए जरूरी है कि हममें से हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करें, तभी सभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। भगवान महावीर वही व्यक्ति बन सकता है, जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें दुःख-कष्टों को सहने की क्षमता हो। जिसको प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संतुलन बनाना आ गया वह महावीर बन सकता है। आज की भागमभाग के जीवन में सुख-शांति की खोज महावीर के पथ से प्राप्त हो सकती है। जिसके मन मस्तिष्क में प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा अपना भाग्य बदलना जानता हो वह महावीर बन सकता है।

भगवान महावीर ने अपनी देशना में मानव के लिए उपदेश दिया कि धर्म का सही अर्थ समझो। धर्म तुम्हें सुख, शांति, समृद्धि, समाधि - यह सब आज देता है या बाद में -इसका मूल्य नहीं है। मूल्य इस बात का है कि धर्म तुम्हें समता, ईमानदारी, सत्य, पवित्रता, नैतिकता, स्याद्वाद, अपरिग्रह और अहिंसा की अनुभूति कराता है या नहीं।

युद्ध किए बिना ऐसे बने महावीर: भगवान महावीर ने कोई युद्ध नहीं किया फिर भी वे महावीर थे। वे सबसे बड़े विजेता थे क्योंकि उन्होंने किसी और को नहीं जीता बल्कि स्वयं को जीता।

जो सहस्सं सहस्साणं संगामे
दुज्जये जिणे।
एगं जिणेज्ज अप्पाणं एस सो
परमो जयो।।

अर्थात् जो युद्धक्षेत्र में हजारों-हजारों लोगों को जीतते हैं वे भी जिन नहीं हैं बल्कि जो एक मात्र अपने आपको जीतते हैं वही सच्चे विजेता हैं, वही जिनेन्द्र हैं।

उन्होंने अपनी इंद्रियों को जीता था। हमें भी महावीर बनने के लिए, विजेता बनने के लिए भगवान महावीर की तरह आत्म विजेता बनने की दिशा में सार्थक कदम उठाना होंगे।

हम बदलें, हमारा स्वभाव बदले: महावीर का जीवन हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसमें धर्म के सूत्र निहित हैं। आज महावीर के पुनर्जन्म की नहीं, बल्कि उनके द्वारा जीये गए मूल्यों के पुनर्जन्म की अपेक्षा है। जरूरत है हम बदलें, हमारा स्वभाव बदले और हम हर क्षण महावीर बनने की तैयारी में जुटें, तभी महावीर जयंती मनाना सार्थक होगा।

कालजयी और असांप्रदायिक महापुरुष: महावीर बनने की कसौटी है - देश और काल से निरपेक्ष तथा जाति और संप्रदाय की कारा से मुक्त चेतना का आविर्भाव। भगवान महावीर एक कालजयी और असांप्रदायिक महापुरुष थे, जिन्होंने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत को तीव्रता से जीया। महावीर होने का अर्थ है संसार में रहते हुए भी निर्विकार रहना। संसार से उसी तरह निर्लिप्त रहना, जैसे कमल कीचड़ में रहकर उससे भिन्न खिलता है।

असली महावीर और उनके सिद्धांत कहीं खो न जायं: आज स्वार्थ, मोह और छल -कपट का बाजार गर्म है। नीति -अनीति, सत्य- असत्य और न्याय- अन्याय आदि का कोई ध्यान रखें बगैर उच्च पदस्थ लोग भी विभिन्न प्रकार के भ्रष्ट आचरणों में लिप्त हो रहे हैं। अपने ही लोग अपनों को गिराने में लगे हैं, जलन, द्वेष- ईर्ष्या, मोह-माया की प्रवृत्ति मानव के मन मस्तिष्क में घर कर गयी है। मानव स्वार्थी इतना हो गया है कि उसे अपने सिवा कुछ दिखता नहीं है। धर्म के कार्यों में ठगी और मंच, माला, माइक की प्रवृत्ति ने असली महावीर और उनके सिद्धांत कहीं गुम से हो गए हैं। मानव का मुखौटा इतना दिखावटी, बनावटी और सजावटी हो गया है कि सत्य, असत्य की पहचान ही कठिन हो गयी है। वह यह भूल ही गया है कि एक दिन इस संसार से विदा भी होना है। यह दुखद है कि राजनीति, न्याय, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आए दिन आचरण की दृष्टि से कलुषित व्यवहार और मिथ्याचार की घटनाएं लगातार सुर्खियां बन रही हैं। इसी के साथ अपराधों की दुनिया का तेजी से विस्तार हो रहा है। ऐसे विकट हो रहे सामाजिक परिवेश में भगवान महावीर की प्रतीति और अनुभूति मार्गदर्शक भी है और आश्वस्त भी करने वाली है।

महावीरमय होने की आवश्यकता: आज हमें अपने भीतर के महावीर को जगाने की और महावीरमय होने की आवश्यकता है। भगवान महावीर स्वामी का स्मरण और उनके साथ तादात्म्य स्थापित करने की चेष्टा मनुष्य को कुमार्गगामी होने से बचने और सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है।

महावीर बनने के लिए 'मैं' का विसर्जन जरूरी: अपने अंदर के महावीर को जगाने के लिए एक ही सूत्र है -'मैं' का विसर्जन। मैं और मेरा का सतत संघर्ष चलता रहता है। अहंकार आत्म विकास के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोधक है। जहां मान होता है वहां प्रेम खत्म हो जाता है फिर भी हम मान को नहीं निकाल पाते हैं। मान में भगवान नहीं दिखाई देते हैं और गुरु को भी नकार देते हैं। मान में अहंकार का वास रहता है जो हमें धर्म से विमुख कर देता है। अहंकारी व्यक्ति अपने आपको श्रेष्ठ तथा अन्य को तुच्छ समझता है। अंह के विसर्जन के बाद ही आत्म विकास संभव हैं।

भगवान महावीर सदैव अभिवंद्य रहेंगे: आज भी सत्य, धैर्य, धर्म, करुणा, क्षमा, मैत्री और अहिंसा आदि के पालन से ही जीवन को मूल्यवान बनाना संभव है। इसी पथ पर आगे बढ़ने में मानव का कल्याण निहित है। महावीरमय होने का आशय दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तरह के तापों से मानव समाज की मुक्ति है। इसके लिए मन, बुद्धि और कर्म तीनों को पवित्र करना होगा। तभी विचार में बल आ सकेगा, मन स्फूर्ति का संचार होगा और हमारे कर्म फलवान हो सकेंगे। इसी वृत्ति के साथ सन्नद्ध होने पर ही देश, समाज के उत्थान के कार्य में कामयाबी मिल सकेगी।

आज विखंडित हो रहे समाज और विनाश की ओर बढ़ रही दुनिया को सही दिशा देने में भगवान महावीर की शिक्षाएं जितनी प्रासंगिक और उपयोगी हैं, उतना कोई नहीं। इसीलिए धरती की अविरल जीवन धारा के साथ भगवान महावीर सदैव अभिवंद्य रहेंगे।

एस सुरासुर-मणुसिंद-वंदिदं,
धोद घाइ-कम्म-मलं ।
पणमामि वड्ढमाणं, तित्थं
धम्मस्स कत्तारं।।
-(प्रवचनसार-आचार्य कुंदकुंद)

- डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर, सह सम्पादक

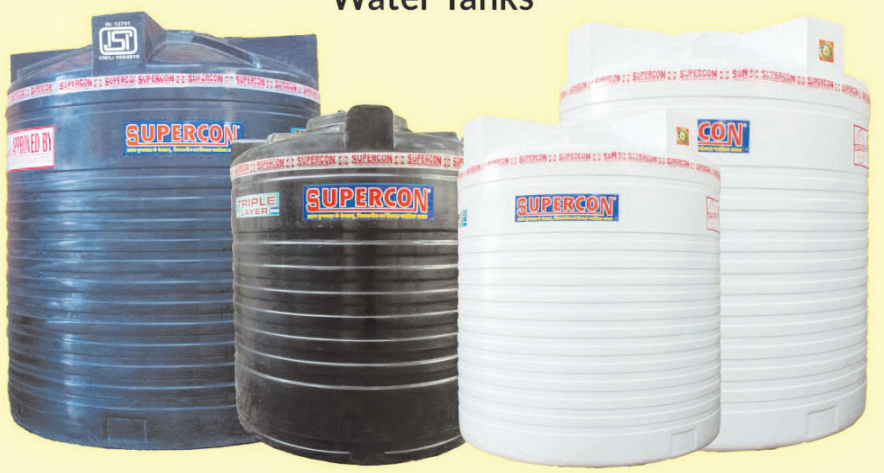

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
WITH BEST COMPLIMENTS FROM
Padam Chand Jain (Dhakra)
(Vice President-Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha)
Mahendra Kumar Jain (Dhakra)
(Working President- Shri Bharatvarshiya Digamber Jain
(Teerth Sanrakshini) Mahasabha T. N. Branch
Pradeep Commercial Interprises
(Iron & Steel Merchants)
56, Sembudoss Street, 2nd Floor, P. B. No 8343, Chennai-600 001
Phone No. 25228522, 25220032 Off. 25206812, 25202601 Resi.
Mobile : P. C. Jain-9444918024 M.k.Jain-9444028522
ASSOCIATE :
Shanti Enterprises
Banglore 080-25266482, Mob. : 09448092260

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE
CITY TRADE CENTRE,
Near Athgaon Flyover, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 8638773711

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस-स्नेहा काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

उत्तर प्रदेश जैन तीर्थंकरों की महत्वपूर्ण भूमिः मुख्यमंत्री

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेशवासियों को महावीर जयंती की बधाई दी, कहा कि भगवान महावीर की अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं

लखनऊ, 9 अप्रैल, 2025। विश्व णमोकार महामंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को जैन तीर्थंकरों की महत्वपूर्ण भूमि बताते हुए कहा कि णमोकार महामंत्र व्यावहारिक जीवन में सफलता का मार्ग कैसे प्रशस्त कर सकता है, उसकी सरल व्याख्या नौ संकल्पों के रूप में हम सबके सामने है। मुख्यमंत्री गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जितो) द्वारा आयोजित विश्व णमोकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बोल रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइव जुड़ने के दौरान जैन धर्म के बारे में कही गई बातों और जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों के उपदेशों को आत्मसात करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के उद्बोधन से हम सबको नई प्रेरणा प्राप्त हुई है। भगवान ऋषभदेव अयोध्या के पहले राजा थे। संबोधन से पूर्व जीतो के चीफ पैट्रन पी के जैन, विनय जैन, सुबोध जैन, आदिश जैन ने णमोकार महामंत्र की तस्वीर व कलश मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में पांच और वाराणसी में चार तीर्थंकर पैदा हुए। यहीं से उन्होंने मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान ऋषभदेव की परंपरा में ही भगवान मनु पैदा हुए थे, जिन्होंने मानव धर्म की रचना करके पूरी सृष्टि में इस परंपरा को आगे बढ़ाया था। उसी परंपरा में प्रभु राम का जन्म हुआ। जब दुनिया के सामने कुछ भी नहीं था, जब अंधकार था, तब एक राजा सब कुछ छोड़कर लोक मंगल के लिए आगे आए थे। मुख्यमंत्री ने दस अप्रैल को पड़ने वाले भ. महावीर की पावन जयंती पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में तीन प्रकार की चुनौतियां आती हैं, जिसमें आदि दैविक, जिसे हम दैविक आपदा कह सकते हैं, जिसे प्रकोप कह सकते हैं, दूसरा आदि भौतिक जिसे मानव के द्वारा पैदा किए गए भय के रूप में देख सकते हैं। तीसरा आध्यात्मिक यानी शारीरिक व मानसिक इत्यादि, लेकिन जो साधना है उसे णमोकार महामंत्र के रूप सभी अंगीकार करते हैं। एमएलएसी महेंद्र सिंह ने भी जैन धर्म आत्मसात करने की अपील की।

गोपाचल ग्वालियर में जैन प्रतिमाओं का निरादर

जैन समाज ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

शिवपुरी (मनोज जैन नायक) असमाजिक तत्वों द्वारा ग्वालियर किले पर स्थापित प्राचीन जैन प्रतिमाओं का निरादर करने वाले परिवार के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग को लेकर शिवपुरी जैन समाज ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्वालियर किला पर तोमर वंश के राजाओं द्वारा निर्मित अति प्राचीन हजारों जैन प्रतिमाएं स्थापित हैं जो कि पुरातत्व विभाग के संरक्षण में हैं। ये सभी प्राचीन प्रतिमाएं स्थापत्य कला की दृष्टि से भी अनमोल धरोहर हैं। यहाँ किले पर इन प्रतिमाओं के दर्शन करने के लिए देश विदेश से प्रतिदिन अनेक भक्त जन आते हैं लेकिन पिछले कुछ समय से यहाँ पर आने वाले कुछ पर्यटक इन प्राचीन प्रतिमाओं का बहुत ही निरादर कर रहे हैं। यहाँ पर जूते चप्पल पहनकर प्रतिमाओं पर चढ़ जाते हैं। रील बनाते हैं और जैन भगवानों के लिए अपशब्दों का भी प्रयोग करते हैं जिसके कारण जैन समाज सहित प्राचीन धरोहर को पसंद करने वाले सभी नागरिकों में बहुत रोष है। अभी हाल ही में एक मगरौनी के एक परिवार ने इस किले का भ्रमण किया था जिसने जूते चप्पल पहनकर इन प्रतिमाओं पर बैठकर ना केवल फोटो खिंचवाये वरन प्राचीन जैन प्रतिमाओं के लिए बहुत ही घटिया शब्दों का इस्तेमाल रील में कर रहे हैं। इसलिए इस घटना

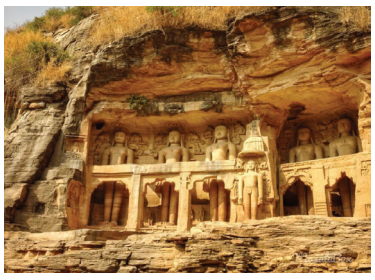

से दुखी होकर जैन समाज द्वारा पूरे भारत में जगह जगह इस परिवार पर FIR दर्ज कराने के लिए जैन समाज द्वारा प्रशासन को ज्ञापन दिये जा रहे हैं। जैन समाज द्वारा जारी विज्ञप्ति में राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के प्रवक्ता महेन्द्र जैन भैयन ने बताया कि शिवपुरी कलेक्टर महोदय को ज्ञापन देते समय संयोजक हरिओम जैन, छत्री मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश जैन, महावीर जिनालय के महामंत्री चंद्रसैन जैन, सकल जैन समाज महापंचायत के अध्यक्ष दिनेश जैन, पुरानी शिवपुरी जिनालय के अध्यक्ष वाय के जैन, क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष एस के चौहान, संजीव बांझल पत्रकार, वात्सल्य समूह के सचिव अजय जैन, पं. अशोक जैन रत्नौद, पं. ऋषभ जैन, दिनेश जैन मुरैना, स्याद्वाद युवा क्लब के अध्यक्ष प्रदीप जैन, महेन्द्र जैन रावत, मुकेश जैन पत्रकार, शैलेंद्र जैन, सुरेंद्र जैन, पत्रकार आरती जैन, हिंदू महासभा के रामदास महाराज, संजय जैन, संतोष जैन, शिक्षक ऋषभ जैन, विवेक जैन एवं सनी जैन वकील, सतीश जैन, देवेंद्र जैन, भीकम चंद्र जैन, रतन जैन, शुभम जैन, अनूप जैन, प्रदीप जैन सहित जैन समाज के अनेक संगठनों के सदस्य उपस्थित थे। ज्ञापन का वाचन प्रवक्ता महेन्द्र जैन भैयन ने किया। जिला कलेक्टर शिवपुरी की ओर से ज्ञापन अपर कलेक्टर श्री दिनेश शुक्ला जी ने ग्रहण किया। सभी का आभार व्यक्त संयोजक हरिओम जैन के द्वारा किया गया।

लखनऊ में 'जियो और जीने दो' के जयकारे के साथ निकली शोभायात्रा

लखनऊ। जैन धर्म के 24वें व अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती पर गुरुवार को जैन मंदिरों में अभिषेक और शांतिधारा के साथ शोभायात्रा निकाली गई। भगवान महावीर के सूत्र वाक्य 'जियो और जीने दो' के जयघोष के साथ निकली यात्रा के दौरान समाज में शाकाहार की अलख जगाने और जीवों की हत्या रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। बारिश के बावजूद सुबह आशियाना जैन मंदिर से भगवान महावीर की 2624 वीं जयंती (जन्म कल्याणक) पर निकली शोभायात्रा के दौरान महिला मंडल की अल्पना जैन के नेतृत्व में महिलाओं ने नृत्य किया और भगवान के संदेशों को जीवन में उतारने का संकल्प दिलाया। उ. प्र. जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन ने बताया कि मंदिर के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश के संयोजन में निकली शोभायात्रा में संरक्षक अभय शाह, विपिन जैन, संजीव जैन, शरद जैन, अजय, अखिलेश, बृजेश बंटी व अंकित जैन समेत समाज के लोग शामिल हुए। स्थानकवासी श्वेतांबर समाज के रोशन लाल जैन के संयोजन में पटेलनगर स्थित जैन भवन में महावीर दर्शन पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। चारबाग के जैन मंदिर व गोमती नगर से निकली शोभायात्रा में समाज के लोग शामिल हुए। चौक जैन मंदिर से निकली यात्रा के दौरान भंडारे का आयोजन किया गया। संयोजक सिद्धार्थ जैन ने बताया कि चौक जैन मंदिर के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन के संयोजन में यात्रा निकाली गई। डालीगंज में श्री जैन प्रवर्धनी सभा के अध्यक्ष विनय कुमार जैन के संयोजन में देर शाम यात्रा निकाली गई। डालीगंज के महावीर पार्क तक निकली यात्रा में संजीव जैन, शैलेंद्र जैन, दीपक जैन व समाज के लोग जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल हुए।

प्राकृत ज्ञान केसरी, चर्या चक्रवर्ती महासंघ नायक, विश्वहितकारी, वात्सल्य मूर्ति, सरल स्वभावी, चारित्र रत्नाकर, विद्यावारिधी, क्षेत्र जीर्णोद्धारक आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के चरणों में शत् शत् नमन् वंदन

सन्मतिसुनीलम

अज्ञानता के साथ बोला गया हर शब्द झूठ है

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

- श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति किशनगढ़ सम्भाग
- राजकुमार बड़जात्या (मरवा वाले)
- मानकचंद गंगवाल (कडेल वाले)
- महावीर महिला मण्डल, किशनगढ़
- श्रीमती सरिता पाटनी, किशनगढ़
- हेमन्द्र कुमार एडवोकेट, बांसवाड़ा
- महावीर प्रसाद अजमेरा जैन गजट वरिष्ठ संवाददाता, जोधपुर
- विमल कुमार बड़जात्या, किशनगढ़ (मरवा वाले)
- कमल कुमार वैद (ज्वैलर्स)
- श्रीमती जया पाटनी पुराना हाउसिंग बोर्ड, किशनगढ़
- कुशल ठोल्या, जयपुर
- श्रीमती ममता सोगानी, जयपुर

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी किशनगढ़ केसरी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी के चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 10 अप्रैल, 2025 को 2624वीं जन्म जयंती पर हार्दिक कोटिश: बधाईयां

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।

दानवीर धर्मात्माओं की नगरी गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

शैलेन्द्र सरावगी
अनिता देवी पहाड़िया
विजय कुमार चूड़ीवाल
दिलीप कुमार पांड्या
कन्हैयालाल पांड्या, बरपेटा वाले

महावीर प्रसाद गंगवाल, डीमापुर
अरिवन्द पहाड़िया
श्रीपाल टोंग्या
अवयुक्त रारा
अशोक सेठी, रेहाबाड़ी

श्रीमती मधुरारा रेहाबाड़ी
श्रीमती चन्दा पाटनी, रेहाबाड़ी
जय कुमार रारा, रेहाबाड़ी
एस. के. रारा, रेहाबाड़ी
श्रीमती किरण काला, आठगांव

विनोद कुमार गंगवाल
श्रीमती रेखा बड़जात्या
मनोज कुमार अजमेरा
देवेन्द्र कुमार बैनाड़ा, आठगांव
श्रीमती किरण छाबड़ा, आठगांव

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी कै चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

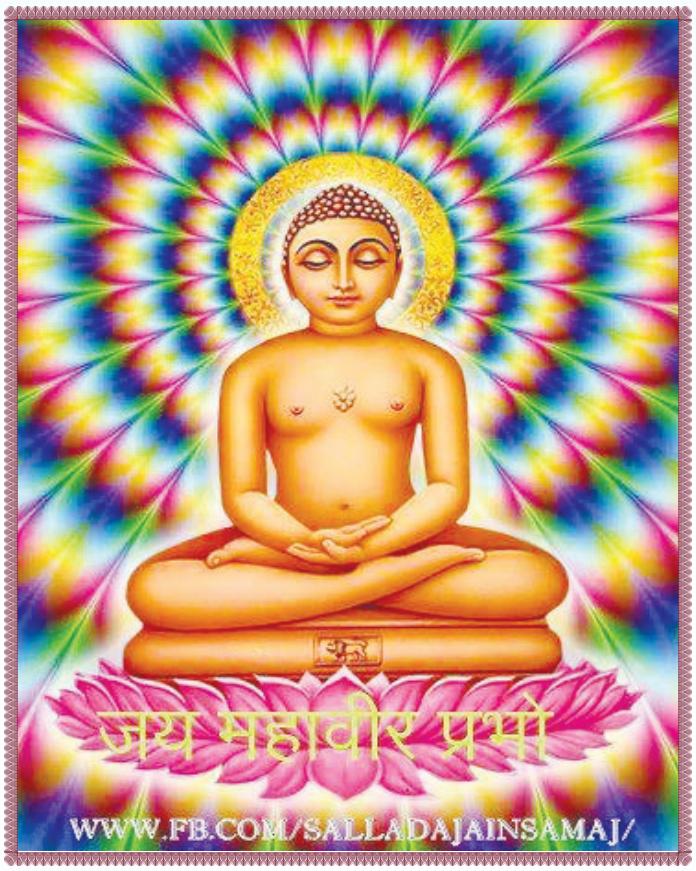

भ. महावीर का दिव्य संदेश
'जीओ और जीने दो'

प्रेरणा

मनोज विनायक्या
मंत्री, आठगांव

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 10 अप्रैल, 2025 को 2624वीं जन्म जयंती पर हार्दिक कोटिश: बधाईयां

दानवीर धर्मात्माओं की नगरी गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

पवन कुमार छाबड़ा, आठगांव
नेमीचन्द अजमेरा, आठगांव
सन्जय सेठी, आठगांव
भागचंद कासलीवाल, आठगांव
प्रसन्न कुमार सोगानी, आठगांव

संकित सेठी, मणीपुर
उदय कुमार पाटनी, आठगांव
लक्ष्मी नारायण सोगानी, आठगांव
पूजा गुप, आठगांव
इन्द्रा देवी पाटनी, आठगांव

अनिला सरावगी, आठगांव
सम्पतराय पाटनी, बाबु बजार
नरेन्द्र कुमार बगड़ा, डिब्रूगढ़
नरेन्द्र कुमार गोधा, आठगांव
रणजीत कुमार गंगवाल, आठगांव

श्रीमती रेखा बिनायक्या, आठगांव
चिराग अजमेरा कुमारपाड़ा
पारसमल कासलीवाल, सिलीगुडी
अनिल जैन चिन्टू बगड़ा, गुवाहाटी
गुप्त सज्जन गुवाहाटी

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी के चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

प.पू. आचार्य 108 श्री शांति सागर जी महाराज

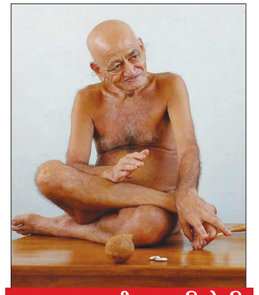
प.पू. प्रातः स्मरणीय सन्त शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्या सागर जी महाराज

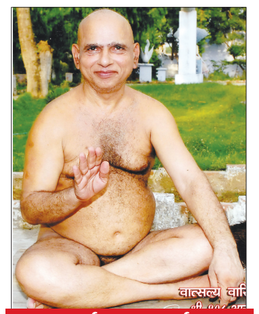
प.पू. वर्तमान पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज

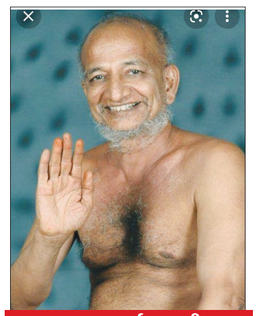
प.पू. आचार्य 108 श्री पुष्पदन्त सागर जी महाराज

समाधि सम्राट आचार्य सन्मति सागर जी महारा

प.पू. समाधि सम्राट आचार्य श्री अभिनन्दन सागर जी महाराज

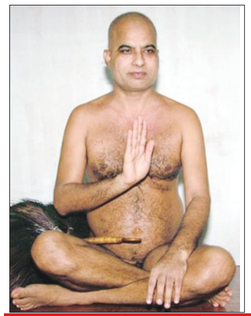
प. पू. गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी महाराज

प. पू. आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज (अंकलीकर)

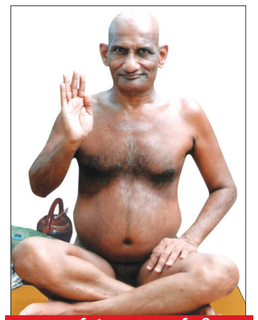
प. पू. धर्मालंकार आचार्य श्री 108 रयण सागर जी महाराज

आचार्य श्री 108 अनेकांत सागर जी महाराज

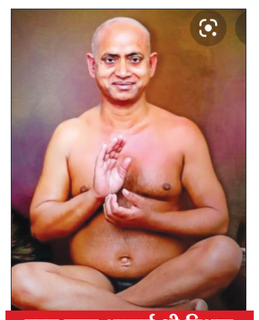
परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

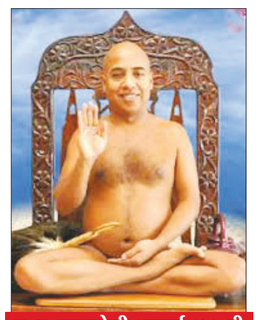
प. पू. प्रज्ञायोगी आचार्य 108 श्री गुप्तिनन्दी जी महाराज

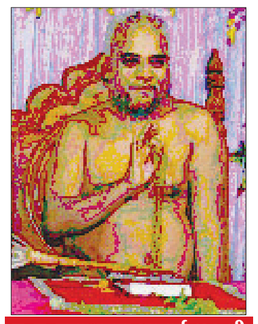
प. पू. प्रज्ञाश्रमण आचार्य 108 श्री देवनन्दी जी महाराज

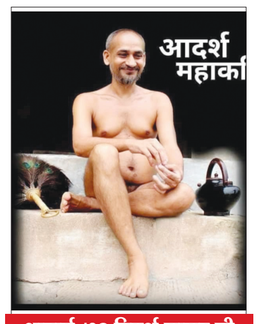

आचार्य 108 विमर्श सागर जी महाराज

प. पू. आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज

प. पूज्य आचार्य श्री उदार जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 अनुभव सागर जी महाराज

प.पू. आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज

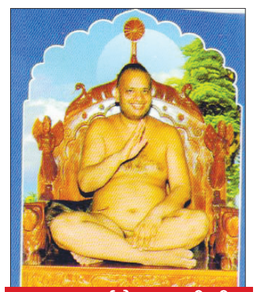
प.पू. आचार्य वैराग्यनन्दी जी महाराज

प.पू. उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी महाराज

प.पू. शशांक सागर जी महाराज

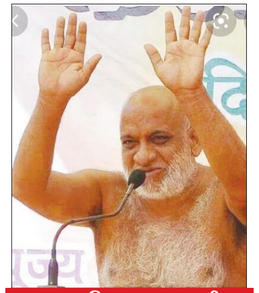
प.पू. मुनि सुधा सागर जी महाराज

प.पू. मुनिश्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज

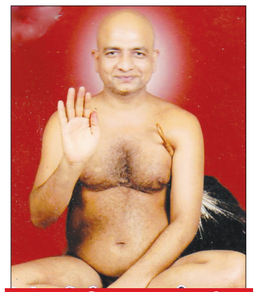
प.पू. मुनि प्रसन्न सागर जी महाराज

गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

धनराज, नारायण देवी चैरिटेबल ट्रस्ट गुवाहाटी/विजयनगर

महिपाल पाटनी
विनोद कुमार पहाडिया
अशोक कुमार पांड्या
मालचन्द सरावगी

श्रीमती रेणु सेठी
श्रीमती सुनिता बाकलीवाल
श्रीमती चम्पा देवी छाबड़ा, मणीपुर
श्रीमती गुणमाला बड़जात्या

श्रीमती पाना देवी सेठी
श्रीमती शान्ति पाटनी, मणीपुर
श्रीमती बबीता सेठी
श्रीमती हेमलता रारा

श्रीमती बबीता काला
गुप्त सज्जन
श्रीमती सुनिता पांड्या
श्रीमती ममता पांड्या

श्रीमती शकुन्तला छाबड़ा
माणकचन्द झांझरी
डॉ. बेला सेठी
चिरन्जी लाल छाबड़ा

महावीर प्रसाद काला कुंकनवाली
श्रीमती सरिता गंगवाल
रामपाल बाकलीवाल
मेघराज पांड्या
कपूरचंद गंगवाल

श्रीमती इन्द्रा देवी छाबड़ा
राजेश रांवका
विवेक सेठी
श्रीमती गीता सरावगी
गुप्त सज्जन डिबरूगढ़

मालचन्द सरावगी
पद्म कुमार गंगवाल
प्रमोद विनायकया
निर्मल कुमार बड़जात्या
संजय पांड्या

विज्ञापन प्रेषक: शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, R. K. Advertising हेड ऑफिस-मदनगंज-किशनगढ़, ब्रान्च ऑफिस-जेयपुर, इंदौर, सूरत, मुम्बई, गुवाहाटी, कोलकाता मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी कै चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक भ. महावीर स्वामी

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।
भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयन्ति पर हार्दिक कोटिश : बधाईयां

बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

दानवीर धर्मात्माओं की नगरी गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

टीकमचन्द बड़जात्या, गुवाहाटी
प्रदीप कुमार पाटनी, मणीपुर
श्रीमती चन्दा बड़जात्या, गुवाहाटी
रमेश कुमार रारा, तिनसुकिया
संजय कुमार सेठी, गुवाहाटी

विनोद कुमार छाबड़ा
श्रीमती प्रेम देवी पांड्या
कैलाशचन्द काला, रंगिया
अंकूर ठोल्या, गुवाहाटी
कपूरचंद सेठी, गुवाहाटी

सुरेश कुमार सेठी, गुवाहाटी
श्रीमती निर्मला रारा, गुवाहाटी
शान्तिलाल चूड़ीवाल, गुवाहाटी
भागचन्द गंगवाल, गुवाहाटी
श्रीमती सुशीला देवी गंगवाल, गुवाहाटी

मनोज कुमार छाबड़ा
मनिष छाबड़ा
श्रीमती रश्मि छाबड़ा
सूरेश कुमार झांझरी
पारसनाथ कार क्रेटिव

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

जैन गज़ट

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी के चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शान्तिसागरजी महाराज

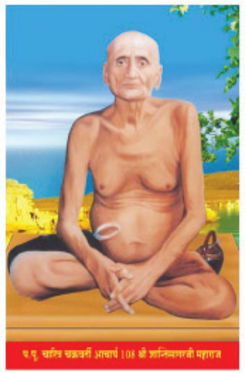

प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी महाराज

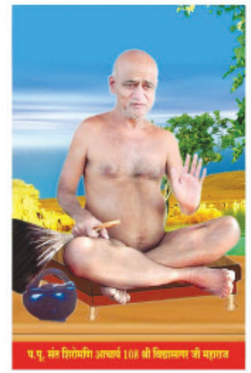

प.पू. षष्टम पट्टाचार्य 108 श्री अभिनंदनसागर जी महाराज

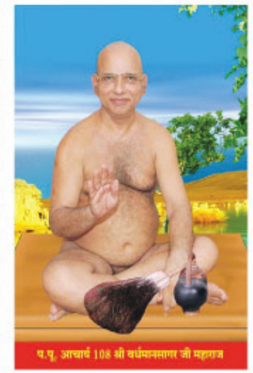

प.पू. संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

प.पू. गणधराचार्य 108 श्री कुन्थुसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री पुष्पदन्तसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

प.पू. वर्तमान पट्टाचार्य 108 श्री अनेकान्तसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री सुनीलसागर जी महाराज

परम पूज्य भारत गौरव
आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज

।। श्री महावीराय नमः ।।
हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।
भगवान महावीर स्वामी की जयन्ति पर
हार्दिक कोटिशः बधाईयां

प.पू. आचार्य 108 श्री देवनन्दी जी महाराज

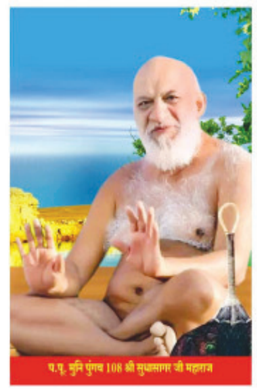

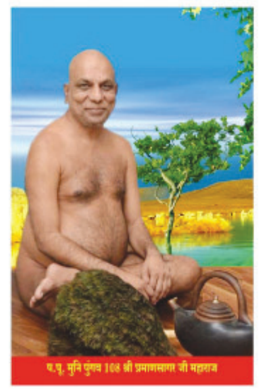

प.पू. आचार्य 108 श्री गुप्तिनन्दी जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री प्रमाणसागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज

गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

श्रीमती मन्जू सरावगी
श्रीमती चन्दा देवी पाटनी
विद्या सुधा भक्तामर ग्रुप
विशाल पाटनी-कुचामन
कैलाश चन्द बगड़ा

राजकुमार छाबड़ा
श्रीमती मंजू देवी छाबड़ा
पुखराज बाकलीवाल
श्रीमती संतोष देवी गोधा
श्रीमती बबीता बगड़ा, तेजपुर

महादेव प्रसाद पांड्या
श्रीमती मैना देवी पहाड़िया
भागचन्द गंगवाल
श्रीमती सरिता पांड्या
श्रीमती हीरा गंगवाल

श्रीमती दिपिका दिलखुश चुड़ीवाल
श्रीमती पिंकी पाटनी
पृथ्वी रारा
श्रीमती सुशीला काला
दानमल सोगानी एण्ड सन्स

नरेश कुमार सेठी
राज कुमार बड़जात्या
ओम प्रकाश बड़जात्या मून्डवा
अनिल कुमार गंगवाल
प्रिन्ट्स बैल- नरेन्द्र चान्दुवाड़

श्रीमती निर्मला सरावगी लोअर आसाम
श्रीमती संतोष देवी छाबड़ा
श्रीमती बबीता सेठी
श्रीमती कल्पना गंगवाल
ललिता कासलीवाल, मनिपुर

श्रीमती सरोज पांड्या
रतनलाल रारा
राजकुमार पांड्या
श्रीमती रूपा बाकलीवाल
श्रीमती निधि सरावगी

संतोष कासलीवाल
अदविका पांड्या
संतोष पांड्या
राकेश पांड्या
विजीता सोगानी

विज्ञापन प्रेषकः शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, R. K. Advertising हेड ऑफिस-मदनगंज-किशनगढ़, ब्रान्च ऑफिस-जयपुर, इंदौर, सूरत, मुम्बई, गुवाहाटी, कोलकाता मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी कै चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक

बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

दानवीर धर्मात्माओं की नगरी गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

चान्दमल सरावगी	सोहनलाल छाबडा आठगांव	अमरचंद गंगवाल केदार रोड	सूरेन्द्र कुमार बोहरा केदार रोड
अशोक कुमार पहाड़िया	सुमित्रा सेठी आठगांव	संतोष कुमार रारा केदार रोड	पुष्पा देवी गंगवाल केदार रोड
रेखा टैक्सटाइल	अनिता-पूजा ग्रुप केदार रोड	अहिंसा पेपर कनवर्टर केदार रोड	माणकचन्द गंगवाल कुमार पाड़ा
पवन कुमार रारा	अनिता पूजा ग्रुप केदार रोड	कपूरचन्द पाटनी - सम्पादक	श्रीमती सुधा काला जेल रोड
संतोष कुमार पाटनी	किरण पूजा ग्रुप केदार रोड	सम्पतराय सबलावत	राजकुमारी पाटनी वी.के. टॉवर गुवाहाटी

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी के चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

भ. महावीर का दिव्य संदेश
'जीओ और जीने दो'

भगवान महावीर जयंती के पावन पर्व पर दिगम्बर साधु संतों के चरणों में कोटि-कोटि नमोस्तु, वन्दामि एवं इच्छामि, भ. महावीर स्वामी की 10 अप्रैल, 2025 को 2624वीं जन्म जयंती पर सभी को बधाई एवं शुभकामनायें।

-: नमनकर्ता :-

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय आठगांव गुवाहाटी

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यों, मुनिराजों, आर्यिका माताजी कै चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

भगवान तीर्थंकर महावीर स्वामी की 10 अप्रैल 2025 को 2624वीं जन्म जयंती पर सभी आचार्यों, उपाध्यायों एवं सभी साधु संतों के चरणों में शत् शत् नमन् वंदन एवं समस्त देशवासियों को मंगलमयी बधाई

दानवीर धर्मात्माओं की नगरी गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

श्रीमती बबीता पाटनी, केदार रोड
राज कुमार बड़जात्या, केदार रोड
श्रीमती ममता पहाड़िया, केदार रोड
श्रीमती चन्दा देवी बगड़ा, केदार रोड
श्रीमती सुन्दरी देवी पाटनी, केदार रोड

हुकमीचंद सेठी, केदार रोड
मुकेश बोहरा, पान बाजार
अजय कुमार रारा, गुवाहाटी
बिनोद कुमार गंगवाल, पान बाजार
सुशील कुमार पहाड़िया, आठगांव

ज्ञानचन्द सेठी, गुवाहाटी
मनोज कुमार पांडया, कुमार पाड़ा
अजित कुमार छाबड़ा
हेमराज रारा, गुवाहाटी
विकास जैन बाली, हावड़ा

सुभाष सेठी, टोकोबाड़ी
राजेश सरावगी, फैन्सी बाजार
प्रकाशचन्द रारा, पान बाजार
रवि पांड्या, आठगांव
श्रीमती सीमा पांड्या

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

दिगंबर साधु का आत्म कल्याणः हमारी जिम्मेदारी भी

डॉ. संतोष जैन
काला (CA)
गुवाहाटी
मो. 9435048488

जब कोई साधु दीक्षा लेते हैं, तो उनका एक मात्र लक्ष्य आत्मकल्याण और मोक्ष की साधना होता है। वे सांसारिक मोह-माया से मुक्त होकर संयम, तप और ध्यान के मार्ग पर अग्रसर होते हैं। उनका जीवन त्याग, आत्मसंयम और आत्मशुद्धि का पर्याय होता है। लेकिन आज के समय में, क्या उनका यह मार्ग निर्विघ्न रह पा रहा है? क्या साधु अपने संयम से स्वयं विचलित होते हैं, या हम श्रावक उन्हें इस मार्ग से डिगाने में सहायक बनते हैं? यह एक गंभीर प्रश्न है, जिस पर हम सभी को चिंतन करना चाहिए। साधु चर्या और श्रावकों का कर्तव्यः दिगंबर साधुओं की चर्या अत्यंत कठिन होती है। वे नग्नत्व को अपनाते हैं, भिक्षा पर निर्भर रहते हैं, निरंतर आत्मचिंतन में लगे रहते हैं और पंच महाव्रतों का पालन करते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य आत्मकल्याण है, लेकिन क्या हम उन्हें इस मार्ग पर निश्चिंत रहने देते हैं?

श्रावकों की भूमिका

1. साधु के संयम को बनाए रखना: जब हम साधुओं को सांसारिक गतिविधियों में उलझाते हैं, तो क्या हम उनके संयम को भंग करने के दोषी नहीं?

2. भक्ति में लोभ न जोड़ें: जब हम उन्हें राजसी सम्मान, सुविधाएँ, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा में फँसाते हैं, तो क्या हम उनकी साधना में बाधक नहीं?

3. तीर्थ निर्माण और सामाजिक कार्यों से दूर रखें: जब हम साधुओं को तीर्थ निर्माण, धन संग्रह और समाज संचालन में व्यस्त कर देते हैं, तो क्या हम उनके आत्मकल्याण को बाधित नहीं कर रहे?

आधुनिक समाज में साधु चर्या का ह्रासः आजकल समाज में कई स्थानों पर देखा जा रहा है कि साधु-संघ अपनी मूल चर्या से भटक रहे हैं। इसके कई प्रमुख कारण हैंः

1. समाज द्वारा अत्यधिक सम्मान और सुख-सुविधाओं की व्यवस्थाः साधु के जीवन का मूल सिद्धांत त्याग है, लेकिन आज उन्हें असाधारण सम्मान और भौतिक सुविधाएँ दी जा रही हैं। अनेक स्थानों पर देखा जाता है कि साधु-संघ के लिए विशेष रूप से वातानुकूलित कक्ष बनाए जाते हैं, उनके लिए विशेष भोजन व्यवस्था की जाती है और यात्राओं के लिए लग्जरी वाहन उपलब्ध कराए जाते हैं। कुछ स्थानों पर समाज, साधुओं के लिए अत्यधिक राजसी आयोजनों का प्रबंध करता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। यह सब धीरे-धीरे साधु के मूल त्यागमय जीवन को प्रभावित करता है और उन्हें सांसारिक सुखों के प्रति आसक्त करने का कारण बनता है।

''त्याग ही साधुता की पहचान है, यदि वह सम्मान और सुविधाओं में लिप्त हो गया, तो उसका संयम समाप्त हो जाएगा।''

2. तीर्थ निर्माण और धन संचय की प्रवृत्तिः आजकल तीर्थ निर्माण और उनके विस्तार के नाम पर साधु- संघों को धन संग्रह और प्रचार- प्रसार में उलझा दिया जाता है। कई साधु तीर्थ निर्माण के लिए अनुदान एकत्र करने में संलग्न हो जाते हैं, जिससे उनकी मूल साधना प्रभावित होती है। कुछ स्थानों पर, साधुओं की उपस्थिति मात्र को तीर्थ प्रचार का माध्यम बना दिया जाता है। समाज को यह समझना होगा कि तीर्थ निर्माण से अधिक आवश्यक हैं, साधुओं का सच्चा संयम और उनकी साधना। इतिहास में ऐसे उदाहरण हैं, जहाँ सच्चे साधु किसी भी प्रकार के धन संग्रह से दूर रहे। उदाहरण के लिए, आचार्य शांतिसागर जी महाराज ने कभी किसी प्रकार के धन-संपत्ति के संग्रह का समर्थन नहीं किया।

''साधु धन संचय नहीं करता, बल्कि आत्मसंयम का संचय करता है।''

3. साधुओं को सांसारिक कार्यों में उलझानाः कई बार समाज अनजाने में साधुओं को सांसारिक गतिविधियों में उलझा देता है, जिससे उनका संयम और साधना प्रभावित होती है। कई साधुओं को समाज के निर्णयों में सम्मिलित किया जाता है, जहाँ उन्हें प्रशासनिक मुद्दों पर विचार देना पड़ता है। कई बार साधुओं से पारिवारिक विवादों में निर्णय दिलवाने की कोशिश की जाती है। जब साधु इन विषयों में शामिल हो जाते हैं, तो उनकी ध्यान-साधना प्रभावित होती है और वे अनावश्यक मानसिक द्वंद्व में पड़ जाते हैं।

मुनि श्री तरुण सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में कई बार कहा कि साधु को सिर्फ आत्म साधना पर ध्यान देना चाहिए, न कि समाज के विवादों में उलझना चाहिए। ''साधु वही, जो समाज की समस्याओं से दूर, आत्मसाधना में लीन रहे।''

4. व्यावसायिक और प्रशासनिक कार्यों में उनकी सहभागिताः आजकल कुछ साधुओं को विभिन्न प्रशासनिक और व्यावसायिक कार्यों में शामिल किया जा रहा है। कई बार साधु- संघों से धार्मिक ट्रस्ट और संस्थानों का संचालन कराया जाता है। साधु-संघों को मंदिरों और आश्रमों की वित्तीय व्यवस्था में निर्णय लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह सब धीरे-धीरे उन्हें सांसारिक चिंताओं में उलझा देता है और उनकी आत्मसाधना का मूल उद्देश्य समाप्त हो जाता है। ''साधु वह है, जो संसार से दूर रहे, न कि समाज के निर्णयों और व्यवस्थाओं में उलझे।साधु वही, जो आत्मकल्याण में लीन रहेय जो सांसारिकता में उलझ जाए, वह साधु नहीं रह जाता।''

कुछ उदाहरण

1. आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराजः वे प्रथम दिगंबर आचार्य थे जिन्होंने अपने जीवन को पूर्णतः संयम और तपस्या में बिताया। उन्होंने कभी भी सांसारिक गतिविधियों में भाग नहीं लिया और अपनी चर्या को पूरी निष्ठा से निभाया।

2. मुनि श्री तरुण सागर जी महाराजः उन्होंने प्रवचनों के माध्यम से समाज को जागरूक किया, लेकिन कभी भी सांसारिक प्रतिष्ठा और धन-संपत्ति की ओर आकर्षित नहीं हुए। उन्होंने समाज को सादगी और आत्मसंयम का संदेश दिया।

3. वर्तमान संदर्भ में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराजः वे आज के युग में संयम की मिसाल बने हुए हैं। उनकी चर्या पूर्णतः साधु के अनुरूप है, जिसमें कोई भी सांसारिकता नहीं है।

शुद्ध साधु चर्या का आदर्श उदाहरणः हाल ही में, आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज और उनके संघ की चर्या पूरे समाज के लिए एक उदाहरण बनी है। उन्होंने वही संयम, वही त्याग और वही साधना अपनाई है, जो एक साधु के लिए अनिवार्य होती है। वे समाज से दूर रहकर केवल आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर हैं। उन्होंने किसी भी सांसारिक गतिविधि में स्वयं को नहीं उलझाया।

''सच्चा साधु वह नहीं जो समाज के अनुरूप चले, बल्कि वह है जो धर्म के अनुरूप जिए।

समाज के लिए चेतावनी और सुधार के उपायः अगर हम समय रहते नहीं संभले तो आने वाले समय में हमें सच्चे

साधु मिलना ही बंद हो जाएंगे। इसलिएः

1. श्रावकों को चाहिए कि वे साधु को सांसारिक कार्यों से दूर रखें।

2. साधुओं को भी चाहिए कि वे अपने संयम की रक्षा करें और समाज के लोभ में न आएं। 3. पंचायतों और धर्मसंस्थाओं को चाहिए कि वे साधु चर्या की मर्यादा बनाए रखने के लिए सख्त नियम लागू करें।

निष्कर्षः ''अगर साधु का संयम बिगड़ा, तो दोषी हम श्रावक ही होंगे।'' हमें समझना होगा कि साधु का जीवन त्याग और तपस्या के लिए है, न कि सांसारिक सुखों और प्रसिद्धि के लिए। अगर हम वास्तव में धर्म की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें साधु-संघ को उनकी असली चर्या में ही बनाए रखना होगा। !! साधु को साधु रहने दें, धर्म को धर्म रहने दें!

णमोकार,नमोकार या नवकार मंत्र

प्रो. अनेकान्त कुमार जैन

नई दिल्ली/सम्पूर्ण विश्वमें णमोकार मंत्र का अभूतपूर्व सामूहिक उच्चारण किया गया। JITO द्वारा आयोजित इस सराहनीय पहल का अनुमोदन करते हुए प्रधानमंत्री जी ने विज्ञान भवन से अद्भुत संबोधन भी दिया। इतने विशाल आयोजन में गौरवपूर्ण अनुभूति के साथ साथ आम जन में एक संशय यह बना रहा कि सभी पोस्टरों में इसे 'नवकार दिवस' क्यों कहा गया जब कि मंत्र का नाम णमोकार मंत्र है। णमोकार, नमोकार या नवकार - इन तीनों का अर्थ एक ही है और वह है - नमस्कार। शौरसेनी (दिगम्बर) आगम में णमोकार शब्द मिलता है। अर्धमागधी (श्वेताम्बर) आगम में नमोकार शब्द मिलता है। बाद में कुछ प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य में इसे ही नवकार शब्द से कहा है। प्राकृत और अपभ्रंश भाषा के कुछ विशेष नियमों के कारण यह परिवर्तन और पाठ भेद हमें मिलते हैं। यही कारण है कि अपभ्रंश भाषा के प्रभाव के कारण हिंदी विशेषकर पुरानी हिंदी, गुजराती आदि में इसे 'नवकार' भी कहा जाने लगा। व्यवहार की दृष्टि से वर्तमान में श्वेताम्बर सम्प्रदाय में 'नवकार' शब्द ज्यादा प्रचलन में है। जिन प्रभसूरी रचित अपभ्रंश रचना 'नवकाररास' में नवकार शब्द का ही प्रयोग किया है। अतः हिंदी में नवकार शब्द अधिक प्रचलन में आ गया। आधुनिक हिंदी के भजन भी इसी रूप में सभी गाते हैं - 'नवकार मंत्र है न्यारा, हमको प्राणों से प्यारा'।

नवकार शब्द प्रयोग में दिक्कत कोई नहीं है किंतु प्राचीन आगमों, प्रतिक्रमण पाठ के मूल उद्धरणों और प्रमाण के रूप में ही प्राकृत भाषा में इसे 'णमोकार-मंत' अथवा नमोकार-मंतं या शुद्ध हिंदी में 'नमस्कार मंत्र' ही कहा और पोस्टर आदि में प्रचारित किया जाता तो अधिक अच्छा होता। इस शब्द के प्रयोग की विडंबना हमें यह देखने को मिली कि 'नवकार' के नव का अर्थ नौ (9) लगाया गया जबकि इसका अर्थ नमस्कार है। इसी भ्रम के कारण फिर 9 अप्रैल, 9 संख्या का महत्व, नौ दुर्गा, नवतत्व सभी इसी घेरे में आते चले गए। प्रायः नव शब्द का अर्थ नौ या नया ही लगाया जाता है अतः यहाँ भी न्याय शास्त्र के 'नवकंबलौयं देवदत्तः' की तरह अनजाने में मिथ्या अर्थ ग्रहण होता चला गया, इसलिए हमें शब्द प्रयोगों को लेकर बहुत सावधान रहना चाहिए और बहुत सोच समझकर निर्णय करना चाहिए। अभी भी समय है, हमारा सुझाव है कि इसे नवकार की बजाय णमोकार दिवस के रूप में प्रचारित किया जाए, ताकि इसका सही अर्थ होता रहे।

महावीर जयंतीः आत्ममंथन का संदेश

महावीर जयंतीः आत्ममंथन का संदेश
न शोभायात्रा की चकाचौंध हो,
न आतिशबाजी का शोर हो।
महावीर का पर्व है यह,
जहाँ भीतर की खोज हो।
न होड़ हो रथ सजाने की,
न भीड़ हो नाम कमाने की।
बस हो तड़प आत्मा की ऐसी,
जो राह दिखाए जग जाने की।
अहिंसा की वो प्रतिमा थे,
सत्य के स्वप्न सजाते थे।
न लाठी, न तलवारों से,
वो हृदयों को जीत जाते थे।
कहते थे - ''धर्म दिखावे में नहीं,
धर्म तो आत्मा की सफाई है।''
पर हम तो उलझे दिखावे में,
भूल गए वो सच्ची कमाई है।
भंडारों में नहीं धर्म है,
ना मंचों की महिमा में।
धर्म है उस मौन क्षण में,
जब जागो अपनी आत्मा में।
अगर देना है उन्हें श्रद्धांजलि,
तो किसी भूखे को खाना दो।
किसी रोते को मुस्कान दो,
किसी बुझते दीप को ताना दो।
अगर मनानी है ये जयंती,
तो संकल्प संयम का लो।
मन, वचन, काया से
हर प्राणी को सम्मान दो।
जो जल रहा हो लोभ में,
उसे अपरिग्रह का दीप दो।
जो भटक रहा हो मोह में,
उसे विवेक का गीत दो।
नवयुवकों को राह दिखाओ,
केवल रथ नहीं, चरित्र सजाओ।
ध्यान, सादगी, सेवा, साधना,
यही हो महावीर का गान,
यही हो उनकी थाती का गुणगान।
महावीर को पूजना काफी नहीं,
उन्हें अपने जीवन में उतारो।
दुनिया नहीं, खुद को जीतो,
बस यही सच्चा उपवास
और त्योहार हो।

जय महावीर।

स्वरचितः डॉ. संतोष जैन काला सीए,
गुवाहाटी

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर शाखा, लखनऊ- 226004 उ.प्र. में सेविंग खाता संख्या 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFSC CODE - PUNB 0185600) में आनलाइन/चैक द्वारा जमा कराकर डिपोजिट स्लिप सहित अपने पूर्ण नाम-पते, पिन कोड सहित निम्न पते/वाट्सअप/ईमेल पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें-

जैन गजट कार्यालय- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स
कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004
मोबा./वाट्सअप- 7607921391, मोबा. 7505102419
Email: jaingazette2@gmail.com

जयपुर शहर में भगवान महावीर का 2624 वां जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया हर्षोल्लास से

शोभायात्रा में गूंजा 'जय महावीर-जय महावीर' झांकियों में दिखी महावीर की महिमा, धर्म सभा में बरसी महावीर की वाणी

कार्यक्रम में श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी के भट्टारक प्रमेय महाराज एवं राजस्थान जैन सभा कार्यकारिणी के सदस्यों सहित विभिन्न प्रबुद्ध जनों ने जैन समाज की 130 वर्ष सबसे पुरानी पत्रिका जैन गजट का विवेचन किया

श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी के भट्टारक प्रमेय महाराज से जैन गजट के संवाददाता राजाबाबू गोधा, विवेक काला, मनीष वेद सहित अन्य पदाधिकारी गण आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर, 10 अप्रैल। पूरी दुनिया को 'जिओ और जीने दो' का दिव्य संदेश देने वाले, विश्ववंदनीय भगवान महावीर स्वामी का 2624 वां जन्म कल्याणक महोत्सव (जयन्ती समारोह) गुरुवार को गुलाबी नगर में धूमधाम से मनाया गया।

इस मौके पर शहर की कॉलोनियों व जैन मंदिरों में प्रातः श्रीजी के अभिषेक, पूजा-अर्चना के बाद कई कालोनियों में प्रभात फेरियां निकाली गई, वहीं पूर्व संध्या पर सायंकाल महाआरती, भजन संध्या एवं पालना झुलाने के विशेष आयोजन आयोजित किये गये। इस दौरान सुबह से ही शहर का चप्पा-चप्पा भगवान महावीर के जयकारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा, जयपुर के तत्वावधान में भट्टारक प्रमेय सागर स्वामी के सानिध्य में न्यूगेट के रामलीला मैदान पर हुआ। इस मौके पर ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, स्मारिका विमोचन, जैन समाज की 130 वर्ष सबसे पुरानी पत्रिका जैन गजट का विमोचन तथा श्री जी के कलशाभिषेक सहित धर्मसभा का भव्यता से आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि उक्त शोभायात्रा में 21 झांकियां अपनी विशेष छटा बिखेर रही थीं और वीरा प्रभु के ये बोल... आज महावीर जयंती है ... जैसे भजनों की स्वर लहरियों पर झूमता-नाचता भक्तों का समूह कुछ ऐसा ही आंखों का सुकून पहुंचाने वाला दृश्य महावीर जयंती के अवसर पर परकोटे में निकली शोभायात्रा के दौरान देखने को मिला। यह शोभायात्रा मनिहारों का रास्ता स्थित महावीर पार्क से प्रातः 8.00 बजे शुरू हुई। बैंडबाजों व ज्ञानवर्धक व संदेशात्मक झांकियों से सुशोभित यह शोभायात्रा चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, बापू बाजार, न्यू गेट होती हुई रामलीला मैदान जाकर समाप्त हुई। शोभायात्रा के मार्ग में चौडा रास्ता में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने, जौहरी बाजार में शहर की सासंद मंजू शर्मा ने, विधायक काली चरण सर्राफ ने, नगर निगम जयपुर हैरिटेज की महापौर कुसुम यादव ने, पूर्व सांसद राम चरण बोहरा सहित अन्य भाजपा नेता तथा सांगानेरी गेट पर विधायक अमीन कागजी, न्यू गेट पर उपमहापौर पुनीत कर्णावट एवं शोभायात्रा मार्ग पर जगह जगह व्यापारिक, सामाजिक संस्थाओं ने पुष्प वर्षा व आरती उतारकर स्वागत व सत्कार किया।

शोभायात्रा में भगवान महावीर के जीवन चरित्र व सामयिक विषयों को लेकर निकली झांकियां जिनमें भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव, भगवान महावीर का बालपन, शिशु महावीर का पलना व पाण्डुक शिला पर अभिषेक, भगवान महावीर का जन्मोत्सव, ना तेरा पंथ ना मेरा पंथ जिन शासन रहे सदा जयवन्त, डिजीटल युग में संयम एवं ध्यान का महत्व, भरत का अखण्ड भारत, मंदिर है पर भक्त नहीं, वण्डरफुल जैनिज्म, अनुयोग की पाठशाला, नन्दीश्वर द्वीप संस्कारों के अभाव में दुष्प्रभाव, अर्हम ध्यान योग, मोबाइल के दुष्परिणाम, जीव दया-गौ सेवा, अहिंसा रथ एवं जैन भोजन सेवा, चांदनपुर के महावीर, समर कैम्प, दिगम्बर जैन संतों की आहार चर्या एवं जिनेश्वरी दीक्षा के दृश्य सहित अन्य विषयों पर आधारित झांकियों को लोग एकटक निहारते रहे। इस दौरान जिन-जिन मार्गों से यह शोभायात्रा गुजरी वे सभी मार्ग भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आए। शोभायात्रा के आखिर में जिनेन्द्र देव (भगवान महावीर की प्रतिमा) स्वर्ण जड़ित रथ पर विराजमान होकर चल रहे थे। राजस्थान जैन सभा के कमेटी सदस्य व मुल्तान जैन समाज की भजन मण्डली रथ के आगे भक्ति करते हुए चल रही थी, महावीर पार्क से शुरू हुई यह शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई रामलीला मैदान पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। चौड़ा रास्ता स्थित यति यशोनन्द जी दिगम्बर जैन मंदिर से रवाना हुए श्री जी के रथ पर कैलाश चन्द, माणक चंद, रमेश ठेलिया सारथी बने एवं घोड़े पर जैन ध्वज लेकर विजय सोगानी बैठे उक्त शोभायात्रा में बैण्ड बाजे, हाथी, घोडे, ऊंट तथा लवाजमा के साथ महिला मंडल की सदस्याएं, विभिन्न स्कूलों के छात्र - छात्राएं, भजन मण्डलियां, बडी संख्या में श्रद्धालुगण नाचते गाते भक्ति में झूमते हुए शामिल हुए। समाज की विभिन्न संस्थाओं एवं समाज बन्धुओं की ओर से पूरे मार्ग पर जैन धर्म का प्रतीक पचरंगा के 108 स्वागत तोरण द्वार लगाये गये थे। कार्यक्रम में रामलीला मैदान में हुई धर्मसभा में भगवान महावीर के सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, यह बात श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी के भट्टारक प्रमेय ने अपने मंगलमय उद्बोधन में भरी धर्म सभा में कही, इस मौके पर महावीर जयन्ती के प्रसंग पर बोलते हुए कहा कि महावीर जयन्ती का यह पावन दिवस हम सभी को भगवान महावीर जैसा बनने की प्रेरणा देता है, यह दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब उनके बताए सिद्धान्तों को अपने जीवन में अपनाएं। भगवान महावीर केवल जैनियों के नहीं वे तो जन-जन के महावीर हैं। उनके सिद्धांत सार्वभौमिक है, वे किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं है अपितु विश्व के प्राणी मात्र के लिए है। बिना त्याग के आत्मा का कल्याण संभव नहीं है। अतः हमें प्राणी मात्र के कल्याण की भावना रखनी चाहिए। अहिंसा के माध्यम से ही विश्व में हम शांति की स्थापना कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि जिसके जीवन में दया, धर्म, त्याग नहीं है, वह मानव के साथ श्रावक कहलाने के लायक नहीं है। अपने जीवन में भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाने से ही इस विश्व का कल्याण होगा। इससे पूर्व धर्मसभा के प्रारंभ में जयकारों के बीच ध्वजारोहण समाज श्रेष्ठी पदम चन्द - प्रेम लता, देवेन्द्र - शैलजा बोहरा ने किया। भगवान महावीर के चित्र के समक्ष समाजश्रेष्ठी प्रेम चन्द, विवेक, विकास शोर्य जैन खेडली वालो ने दीप प्रज्वलित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रख्यात समाज सेवी शांति कुमार - ममता सोगानी जापान वाले थे। सम्माननीय अतिथि गजेन्द्र, प्रवीण विकास बड़जात्या, विशिष्ठ अतिथि समाजश्रेष्ठी विनोद-शशि तिजारिया, कैलाश चन्द माणक रमेश ठेलिया थे, कार्यक्रम में मंगलाचरण संत सुधासागर महिला छात्रावास की बालिकाओं ने तथा बैण्ड वादन महावीर पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने किया, इस मौके पर राजस्थान जैन सभा के यशस्वी अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री यशकमल अजमेरा, संयुक्त मंत्री आर. के. जैन, कोषाध्यक्ष अमर चन्द दीवान, महावीर जयंती समारोह के मुख्य समन्वयक अशोक जैन नेता, समन्वयक मुकेश सोगानी, सहित कार्यकारिणी सदस्य कमल बाबू जैन, राजीव पाटनी, भानू छाबड़ा, अनिल छाबड़ा, राकेश गोधा, सुभाष बज, जिनेन्द्र जैन जीतू, राखी जैन, चेतन जैन निमोडिया, एडवोकेट राजेश काला, दर्शन जैन बाकलीवाल, मनीष सोगानी, सहवृत सदस्य भारतभूषण जैन, प्रियंका बड़जात्या (प्रिया), पूनम चांदवाड़ आदि ने अतिथियों का माला, दुपट्टा, साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर तथा प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत व सम्मान किया। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने स्वागत भाषण व संस्था की गतिविधियों एवं जयपुर से बाहर सभा की शाखाओं का गठन करने तथा मानव सेवार्थ 51 स्थानों पर रक्तदान शिविर का आयोजन करने की जानकारी दी तथा समाज बन्धुओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, अल्पसंख्यक योजनाओं के लाभ, छात्रवृत्ति योजना, वैवाहिक सेवा केन्द्र की स्थापना, बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराने की योजना, छात्रावास के लिए भूमि आवंटन करवाने के प्रयासों सहित समाज हित की गतिविधियों की जानकारी दी। जुलूस के मुख्य संयोजक अनिल छाबड़ा ने झांकियों तथा शोभा यात्रा के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। महावीर जयंती समारोह के मुख्य संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया, अंत में श्री जी के अभिषेक व शांतिधारा करने के बाद माल का पुण्यार्जन देवेन्द्र बोहरा, सुभाष चन्द जैन, विवेक काला, अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने किया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के सदस्यों सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्धजनों तथा श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी के भट्टारक प्रमेय जी महाराज ने जैन समाज की 130 वर्ष सबसे पुरानी पत्रिका जैन गजट का विमोचन किया तथा सभी आगंतुकों इस पत्रिका का अवलोकन करके भूरी-भूरी प्रशंसा की।इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न जैन सोश्यल ग्रुपों व अन्य संस्थाओं की ओर से शीतल पेयजल, फलों की स्टॉलें लगाई गई। इस मौके पर तीर्थ जीर्णोद्धार कमेटी के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचन्द पहाड़िया, महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, अंतर्राष्ट्रीय रत्न व्यवसायी विवेक काला, राजीव जैन गाजियाबाद, सुनील बख्शी, महेश काला, हीरा पथ जैन मंदिर के अध्यक्ष धन कुमार जैन, बाड़ा पदमपुरा कमेटी के कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठारी, संयुक्त मंत्री जितेंद्र मोहन जैन, राजीव पाटनी झोटवाड़ा, मनोज सोगानी दुर्गापुरा, मधुबन जैन मंदिर के अध्यक्ष अक्षय मोदी, गायत्री नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, मंत्री अरुण शाह, एडवोकेट विमल जैन तथा राजाबाबू गोधा सहित डॉ. शीला जैन, शीला डोड्या, विनय सोगानी, महेन्द्र साह, उजास पाण्डया, शकुन्तला पाण्डया, दीपिका जैन कोटखावदा, निशा बडजात्या, रचना बैद, संगीता अजमेरा, मैना गंगवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

129 यूनिट किया रक्तदान

मदनगंज किशनगढ़। 20वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज की प्रेरणा से मुनिसुव्रतनाथ दि. जैन नवयुवक मंडल की ओर से महावीर जयंती के अवसर पर आरके कम्युनिटी सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ आर के मार्बल परिवार के अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी एवं सुधीर जैन ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजित रक्तदान शिविर में समाज के लोगों ने उत्साह से रक्त दान किया। मंडल अध्यक्ष संजय पांडया ने बताया कि 129 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर प्रभारी अंकित पाटोदी ने बताया कि सभी रक्तदान करने वाले दाताओं को

आरके मार्बल की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान यज्ञ नारायण हॉस्पिटल के ब्लड बैंक के स्टाफ के अलावा मंडल के मंत्री मनोज बैद, विजय बाकलीवाल, धीरज पाटौदी, आशीष सेठी, अनुज पांड्या, ऋषि गोधा, पुष्पेंद्र बाकलीवाल, मुकेश बाकलीवाल, अंकुर गोधा, संजय सोगानी, अतुल बैद आदि सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

- शेखर चन्द पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

एक गौ माता से 30 एकड़ भूमि में खेती हो सकती है: पद्मश्री सुभाष पालेकर

सनावद/निमाड़ क्षेत्र में चिकनी काली उपजाऊ मिट्टी है, निमाड़ी गोवंश खेती के लिए बहुत उपयोगी है। एक गौ माता से 30 एकड़ भूमि में कृषि का भरपूर उत्पादन लिया जा सकता है। आज का युवा गांव छोड़कर भाग रहा है। हरित क्रांति से उत्पादन तो बढ़ा है गांव में बहुत बड़े और अच्छे आधुनिक मकान भी बने हैं लेकिन युवा गांव में नहीं है उन्हें वापस गांव में लौटना होगा, अन्यथा देश की स्थिति बहुत भयावह हो जाएगी, उक्त विचार भारत सरकार द्वारा 2016 में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सुभाष पालेकर ने बासवा में जैन गजट के सह संपादक राजेंद्र जैन महावीर के साथ हुई चर्चा में व्यक्त किए। चर्चा में पद्मश्री सुभाष पालेकर जी ने अनेक बिंदुओं को छूते हुए प्रश्नों का निराकरण भी किया, उन्होंने कहा की ग्लोबल वार्मिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यह दो ऐसे भस्मासुर हैं जो पूरी दुनिया को नष्ट कर सकते हैं, संपूर्ण विश्व का इकोसिस्टम समाप्त हो रहा है इसका एक ही उपाय है कि युवाओं को गांव में लौटाया जाए और सुभाष पालेकर कृषि मॉडल से शून्य

बजट प्राकृतिक खेती की जाए। रासायनिक और जैविक दोनों कृषि से बढ़ती है ग्लोबल वार्मिंग - पद्मश्री सुभाष पालेकर ने कहा कि प्राकृतिक खेती नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। रासायनिक और जैविक कृषि दोनों ही घातक है वास्तव में किसानों को खेती के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं है इसलिए वे आधुनिक भ्रमजाल में उलझकर खेती की जमीन और खुद का स्वास्थ्य खराब कर रहा है। किसानों को रासायनिक, जैविक नहीं सुभाष पालेकर कृषि मॉडल पर कार्य करना चाहिए। पालेकर कृषि कैंसर डायबिटीज से मुक्त कराकर डेढ़ गुना ज्यादा दाम दिलाएगी - पद्मश्री सुभाष पालेकर ने कहा कि मेरे द्वारा जो मॉडल विकसित किया गया है वह जीव, जमीन, पानी, पर्यावरण विनाश को रोकता है और भूमि सरंक्षण संवर्धन करता है। हम अगली पीढ़ी को ऐसी भूमि बनाकर देते हैं, जिसमें कोई खाद नहीं डालना है इससे उत्पादन घटेगा नहीं, लागत बढ़ेगी नहीं और उपज का दाम डेढ़ गुना तक बढ़ जाएगा। हमारे मॉडल से जो कृषि उपज होगी वह कैंसर और डायबिटीज से मुक्त होगी। किसान एक देसी गाय के गोबर से और गोमूत्र से 30 एकड़ खेती में उत्पादन ले सकता है। प्रधानमंत्री की इच्छा है सुभाष पालेकर कृषि - सन 2016 में भारत सरकार के नागरिक सम्मान पद्मश्री सम्मानित सुभाष पालेकर कृषि विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने शून्य बजट प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाकर कई किताबें भी लिखी, अभी तक 40 लाख से अधिक किसानों को अपनी शिक्षा व प्राकृतिक खेती से उन्होंने लाभान्वित किया हैं पद्मश्री पालेकर ने पुआल का उपयोग गाय के गोबर, गो मूत्र के मिश्रण का छिड़काव करने व पांच परतों में फसल उगाने का शिविर सनावद में लगाया, जिसमें 350 कृषकों ने सुभाष पालेकर कृषि करने का प्रशिक्षण लिया। श्री पालेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी चाहते हैं कि किसानों की आय दोगुना हो इस हेतु शून्य बजट खेती को जन आंदोलन बनाना होगा। जिससे उनके स्वप्न को ग्राम ग्राम तक पहुंचाया जा सके। पद्मश्री सुभाष पालेकर से प्रभावित सेवानिवृत प्रोफेसर मणि शंकर डोंगरे, बासवा निवासी आईआईटी कानपुर के छात्र हरिओम बिरला ने कहा कि वह अपने खेतों में पालेकर कृषि मॉडल बनाकर कृषि करेंगे। श्री पालेकर ने बासवा के बीच स्थित नंदराम बिरला के खेत का अवलोकन कर मॉडल बनाने के लिए प्रेरित किया। पद्मश्री सुभाष पालेकर जी का स्वागत राजेंद्र जैन महावीर, दिनेश राठौर, बालकराम रावत, गणेश बिरला, अनोखीलाल सेजगाया, राकेश बिरला, अंकित रेवापाटी, मानकचंद रेवापाटी, दंदू मलगाया आदि ने किया। उल्लेखनीय है कि पद्मश्री पालेकर संपूर्ण देश में कृषि मॉडल का प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उनका मानना है कि नई पीढ़ी बदलाव लाएगी और खेतों में मॉडल बनेगा तो उसे देखकर किसान समझ सकेंगे, इस हेतु हर गांव में मॉडल खड़ा होना चाहिए। किसान मित्रों को यह समझना चाहिए कि कोई कानून नहीं है कि वह खेतों में रासायनिक खाद डालें, किसान भ्रम में है और वह भ्रमित होकर कृषि में वे सब प्रयोग कर लेते हैं जो उसे नहीं करना चाहिए, किसान को अपना निर्णय स्वयं करना होगा। हमें प्रकृति को जीवित रखना है और ग्लोबल वार्मिंग से बचाना है तो हमें कृषि करने के तरीकों में भी बदलाव लाना पड़ेगा।

विश्व नवकार दिवस पर बून्दी में किया णमोकार मंत्री का पाठ

रविन्द्र काला, संवाददाता, बून्दी

बून्दी, 9 अप्रैल। विश्व नवकार दिवस के अवसर पर आज पूरे विश्व में प्रातः 8:01 से 9:36 बजे तक णमोकार मंत्री का सामूहिक जाप किया गया। इसी क्रम में बून्दी के जैन दादाबाड़ी में भी सत्यमति माता संघ और श्वेताम्बर सुयशा मारासा के सानिध्य में एक भव्य आयोजन हुआ, जिसमें सकल जैन समाज के पुरुष एवं महिलाओं सहित बालक-बालिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस नवकार मंत्र में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन पहुंचे। इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी लाइव णमोकार मंत्र का जाप किया। जाप के उपरांत उन्होंने उपस्थित जनसमूह का संबोधित करते हुए नौ महत्वपूर्ण संकल्प दिलाए। जिसमें पानी बचाओ, पेड़ बचाओ, स्वच्छता, स्वदेशी अपनाओ, कम द्रव्य का सेवन, देश दर्शन, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, योगा एवं खेलकूद को जीवनशैली में शामिल करना और गरीबों की सहायता करना शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि जैन समाज का आगम विज्ञान से मिलता जुलता है। वर्तमान का जो लोकतंत्र का मंदिर (लोकसभा) में जैन समाज की कृतियां बनी हुई हैं तथा वर्तमान सरकार ने विदेश से 20 तीर्थकरों की प्रतिमाओं को लाया गया। जैन दर्शन के आधार पर सबका साथ-सबका विकास पर वर्तमान सरकार कार्य कर रही है। विकसित भारत बनाने के पीछे जैन दर्शन का भी बहुत बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री ने आगम पर भी चर्चा की और सभी से जीवनशैली के मूल्य को अपनाने का आव्हान किया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में सकल जैन समाज के संरक्षक ओमप्रकाश बडजात्या, अध्यक्ष संजय जैन, मंत्री महावीर जैन, कोषाध्यक्ष रामविलास जैन, सरावगी समाज के अध्यक्ष संतोष पाटनी, स्थानक समाज के अध्यक्ष विमल भडकत्या, सचिव गौरव कोठारी, श्वेताम्बर समाज के अध्यक्ष अशोक भण्डारी, विमल भण्डारी, श्वेता भण्डारी, प्रकाश महात्मा, खण्डेलवाल सरावगी समाज के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र काला सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में सुयश मारासा द्वारा मांगलिक का वाचन किया गया और भीमसिंह छाजेड़ परिवार द्वारा प्रभावना वितरित की गई। जीतो सदस्य आदित्य भण्डारी, अंशुल जैन ने विश्व नवकार दिवस पर सामूहिक जाप, श्रद्धा और एकता का प्रतीक बताया।

महिला मंडल सदस्यों ने गायों को खिलाया गुड़ व चारा

जयपुर। श्री शांतिनाथ महिला मंडल सेक्टर-8 प्रताप नगर की ओर से मंगलवार को श्योपुर सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला सभी सदस्यों ने गायों को चारा, गुड़ खिलाया। वहीं कबूतरों को ज्वार और मूंग डाला गया। शांतिनाथ महिला मंडल की अध्यक्ष स्नेहलता सोगानी ने बताया कि महावीर जयंती के उपलक्ष्य में महिला मंडल की सभी सदस्य मंगलवार सुबह पिजरापोल गोशाला पहुंची और गायों को चारा व गुड़ खिलाकर धर्म लाभ लिया। साथ ही जियो और जीने दो का संदेश दिया तथा भगवान महावीर के जयकारे लगाए।

- शेखर चंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

मनोज कुमार विनायक्या: एक बेजोड़ व्यक्तित्व

परम मुनिभक्त, दानवीर श्रेष्ठी, दृढ़ संस्कारवान, व्यवहार ज्ञान में निपुण, समाज हितैषी, आतिथ्य सत्कार में बेजोड़ मनोज कुमार विनायक्या जी एक ऐसे व्यक्तित्व के धनी हैं कि उनके सम्पर्क में आने वाला व्यक्ति उनसे प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकता। वृद्धजनों को यात्रा करवायी, गुवाहाटी के निर्ग्रन्थ सन्तों के आगमन पर चौके की व्यवस्था का सारा मैनेजमेन्ट, आठगांव मन्दिर में जो जिनधर्म, जिनशासन की प्रभावना हो रही है उसका सारा श्रेय मनोज कुमार विनायक्या के मृदुल व्यवहार को जाता है। गुवाहाटी जैसे शहर में जहां बात करने की फुर्सत नहीं है, उस शहर में धर्म के लिए समय निकालना रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय को सार्थक करना है। सभी धार्मिक क्रियायें मनोज कुमार विनायक्या के निर्देशन में होती है। सभी क्रियाओं में उनकी उपस्थिति होती है। सभी क्रियाओं में तन-मन-धन से समर्पित रहते हैं।

- शेखर चन्द पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

तपोवन तीर्थ में होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारी का जायजा लेने पहुंचे नगर विधायक श्री शैलेंद्र जैन

सागर। प.पू. वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज संघ सहित तपोवन तीर्थ सिद्धुआ सागर में विराजमान हैं। आज तपोवन तीर्थ पर सागर नगर विधायक श्री शैलेन्द्र जैन आचार्यश्री के दर्शन करने आशीर्वाद लेने पहुंचे। 12 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के कार्यक्रम स्थल श्री दिगम्बर जैन तपोवन तीर्थ पहुंचे एवं तैयारी का जायजा लिया उन्हीं के साथ सागर नगर निगम अध्यक्ष श्री वृन्दावनजी अहिरवार भी थे उन्होंने श्रीफल समर्पित कर आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया। आचार्यश्री ने कहा यदि नेता धार्मिक हो तो ईमानदार, कर्मठ, देशभक्त होता है। सागर नगर के सभी नेता कर्मठ एवं ईमानदार हैं। अच्छे लोगों का आगमन ही कार्यक्रम की सफलता का संकेत है। मानव जीवन उसी का सफल है जिसके जीवन में देव पूजा, दया, दान, तीर्थयात्रा, जप, तप, ज्ञानाभ्यास एवं परोपकार की भावना फलीभूत हो रही है।

आस्था जैन सहायक प्राध्यापक हेतु प्रथम स्थान पर चयनित

राजेन्द्र जैन महावीर, सनावद

सागर। आस्था जैन पिता सुमति प्रकाश जैन प्राचार्य नैनागिरी, माता रजनी जैन माध्यमिक शिक्षक शा हाई स्कूल मकरोनिया सागर ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग सहायक प्राध्यापक परीक्षा में प्रथम प्रयास में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आस्था जैन की प्राथमिक शिक्षा शा माध्यमिक शाला नैनागिरी से की है, विकासखंड में प्रथम स्थान तथा नवोदय परीक्षा में सफलता प्राप्त की। कक्षा 6 से 12 की पढ़ाई नवोदय विद्यालय में रहकर प्रत्येक कक्षा प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की है। बीएससी डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर सांख्यिकी, गणित, अर्थशास्त्र विषय में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है। वहीं एमएससी सांख्यकी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है। सेट, गेट में सफलता के साथ वर्तमान में आस्था जैन, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही है। इसी दौरान म. प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक पद के लिये प्रथम प्रयास में प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। इस सफलता के लिये अपने गुरुओं, माताजी, पिताजी परिवार के बुजर्गो की विशेष सराहना की है। न्यायमूर्ति विमला जैन, सुरेश जैन आईएएस भोपाल, ट्रस्ट मंत्री राजेश रागी, प्रबन्धकारिणी के मंत्री देवेंद्र लुहारी सागर, वीरेंद्र सिंघई संयुक्त मंत्री सुकमाल जैन उप मंत्री, जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र जैन महावीर सहित सभी पदाधिकारी, एसएसकेजे पब्लिक स्कूल तिनसी सभी पदाधिकारी मददेवरा, नैनागिरी ग्राम के सभी ग्राम वासियों ने अपार सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि नेनागिरी क्षेत्र में सुमत प्रकाश जैन अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी, मेरे मामा जी की किडनी खराब हो गयी है। डाक्टर आपरेशन बोल रहें हैं, समझ नहीं आ रहा क्या करें - अभय जैन, दिल्ली

उत्तर - कुंडली के अनुसार जल्द से जल्द आपरेशन करा लें, तब तक श्री भक्तामर जी का 45वां काव्य सुनायें।

प्रश्न 2. जन्मपत्री के अनुसार मुझे कौन से मंत्र की माला फेरनी चाहिए - लखमीचन्द, फरीदाबाद

उत्तर - आपको सप्ताक्षरी मंत्र ''नमः सर्व सिद्धेभ्य'' की माला फेरनी चाहिये।

प्रश्न 3. बेटे को चोट बहुत लगती रहती है - कल्पना रानी, रोहतक, हरियाणा

उत्तर - कुंडली में मंगल नीच का होने के कारण ऐसा हो रहा है। मूंगा का लॉकेट गले में मंगलवार को धारण करायें।

प्रश्न 4. पुत्री को ननद पर गुस्सा बहुत आता है - राज रानी, हिसार

उत्तर - पुत्री को चाहिये कि ननद के साथ छोटी बहन जैसा बर्ताव करें तथा समय-समय पर उसको कोई उपहार भेंट करें, साथ ही णमोकार महामंत्र की माला फेरें।

प्रश्न 5. मेरे लड़के की उम्र 18 साल है, मगर उसकी संगति बहुत खराब हो गयी है, उपाय बतायें - निशा जैन, मु. नगर, यू.पी.

उत्तर - बेटे की कुंडली में शुक्र के साथ राहु की दशा चल रही है। जवान होते बच्चों के लिये बहुत खराब मानी जाती है। शुक्रवार को मिश्री दान करायें।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062, 26755078

➲ स्त्री पर दृष्टि डालने से यदि पुतला जलता है तो बताओ संसार में कितने लोग हैं जिनकी नजर स्त्रियों पर बुरी है, पर उनके पुतले तो नहीं जल रहे, उनकी निंदा तो नहीं हो रही लेकिन रावण का पुतला क्यों? क्योंकि उसने उस पर दृष्टि डाली है जिसकी दृष्टि इतनी पवित्र है कि जिसे अग्नि भी नहीं जला पाई, इतनी पवित्र है। ओ बुरी नजर वालो तुम्हारी नजर भी बुरी है तो किसी बुरे आदमी पर डालना, पवित्र आदमी को बुरी नजर से मत देखना। ये नारी धर्मात्मा है, सती, ब्रह्मचारिणी, पतिव्रता है, सुशील है, हम इसके ऊपर बुरी नजर नहीं डालेंगे।

- मुनिपुंगव सुधा सागर जी महाराज

भगवान महावीर स्वामी के 10 अप्रैल 2025 को 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर सभी देशवासियों को मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाऐं

शुभाकांक्षी

गुणमाला देवी-धर्मपत्नी स्व. श्री प्रकाश चंद जी काला एवं परिवारजन

सतीश-नीलिमा, एडवोकेट राजेश काला-संगीता काला (एडवोकेटः राजेश काला राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर) ➲ डायरेक्टर राजस्थान फाइनेंस कॉरपोरेशन उद्योग भवन जयपुर ➲ कार्यकारिणी सदस्यः राजस्थान जैन सभा ➲ कार्यकारिणी सदस्यः श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मीरामार्ग जयपुर
पंकज-मधु (पुत्र-पुत्रवधु), मधु-पवन, सरिता-युगल किशोर (बेटी-दामाद), रोनिल, भव्य, जिनेंद्र, दक्षा, यशस्वी, खुशबू (पौत्र, पौत्रियां) सहित
समस्त काला परिवार जयपुर (राजस्थान)

आवासः 104/102, कबीर मर्ग, मानसरोवर जयपुर-302020 (राजस्थान) मो. 9829637400

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 10 अप्रैल, 2025 को 2624वीं जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

-: नमनकर्ता :-

जतिन जैन
अध्यक्ष युवा महासभा दिल्ली
जैन स्टील, मेन रोड संत नगर, बुरारी, दिल्ली - 110084

सौ. हेमलताबाई मेडिकल-एजुकेशन संस्था में होमिओपैथी के जनक सर सैमुअल हैनीमैन की जयंती संपन्न

चिकलठाणा (महाराष्ट्र)। होमिओपैथि वैद्यक शास्त्र के जनक सर सैमुअल हैनीमैन की जयंती सौ. हेमलताबाई मेडिकल - एजुकेशन संस्था एन-4, सिडको औरंगाबाद में उत्साह के साथ मनाई गई। होमिओपैथि डा. पवन डोंगरे के हस्ते पुष्पहार अर्पण किया गया। विख्यात होमिओपैथि प्रा. डा. राजेश एम. पाटणी ने कहा कि अनेक बीमारियों पर होमिओपैथि सफलता पूर्वक कार्य कर रही है। इस अवसर पर प्रख्यात लेखक एवं पत्रकार

एम. सी. जैन, डा. पवार, डा.कोठारी, डा. प्रितेश पाटणी बोराडे उपस्थित थे।

भगवान महावीर स्वामी के 2624 वें जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल 2025 पर हार्दिक शुभकामनाएं

दिगम्बर जैन मन्दिर, हमीरपुर

ग्राम-पोस्ट-हमीरपुर-304505, तहसील-टोडारायसिंह, जिला-टोंक (राज.)

(अध्यक्ष) हरकचन्द जैन बड़जात्या मो. 9829074341
(महामंत्री) मानमल जैन मो. 9950219206

उपाध्यक्ष एवं सलाहकारः भागचन्द जैन (एडवोकेट) मो. 9828011867
सलाहकारः निर्मल जैन (एडवोकेट) मो. 7610096156
कोषाध्यक्षः तीर्थंकर राज जैन मो. 9413205770
सांस्कृतिक एवं प्रचार-प्रसार मंत्रीः अरविन्द जैन मो. 9829067180
सदस्यः ➲ दानमल जैन ➲ विकास जैन (एडवोकेट) ➲ मुकेश कुमार जैन ➲ पारस कुमार जैन ➲ निर्मित कुमार जैन (हमीरपुर वाले)

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव की हार्दिक शुभ कामनाएँ

DOLPHIN WATERPROOFING

आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।

छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction

DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT

RAJENDRA JAIN
Dr. Fixit Authorised Project Applicator

Mo. 80036-14691
116/194, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सम्पादक -सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से कोरियर से मंगाने पर अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र. रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391,
9415008344,7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

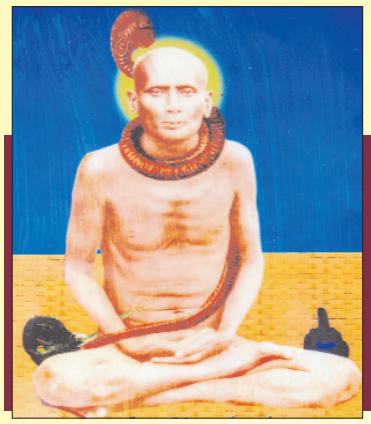

प्रथमाचार्य शांतिसागर व्रत

परम पूज्य चारित्र चक्रवर्ती प्रथमाचार्य 108 श्री शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव (2024-25) के उपलक्ष्य में परम पूज्य पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज द्वारा सम्पूर्ण जैन समाज को संयम की प्रेरणा हेतु प्रदान किया गया एक व्रत का संकल्प

आचार्य पद प्रतिष्ठापन
शताब्दी महोत्सव
13 अक्टूबर 2024 -
3 अक्टूबर 2025

36 एकासन का नियम

प्रतिमाह कम से कम एक या अधिकतम तीन

जाप्यः ऊँ ह्रूँ प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर नमः।

पूजनः प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की पूजा

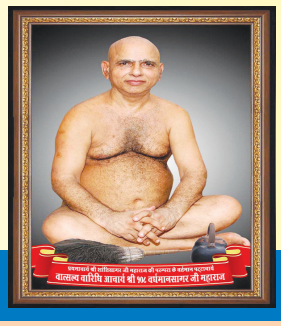

पूजनः प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की पूजा

प्रेरणा

सोहनलाल
कासलीवाल
अध्यक्ष खण्डेलवाल
दिग. जैन समाज
पाण्डिचेरी

रिखबचन्द पाटोदी
अध्यक्ष
दिग. जैन समाज
पाण्डिचेरी

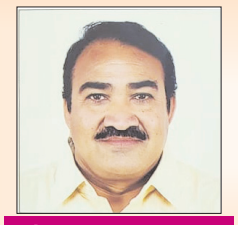

सोहनलाल पहाड़िया
पूर्व अध्यक्ष
दिग. जैन समाज
पाण्डिचेरी

जितना जिनका प्रत्येक कार्य अदभुत आकर्षण व महान व्यक्तित्व है, जिनका नाम स्मरण करते ही हृदय भक्ति से भर जाता है, उन आचार्य श्री की गौरव गाथा तो उनकी मुखाकृति पर ही अंकित थी। लिखने की चीज भी नहीं यह तो मनन व अध्ययन की चीज है। काश उन्हें हम ठीक-ठीक समझ पाते।

सर्पराज का उपसर्ग जिनकी तपस्या में खलल न डाल सका, असंख्य चीटियों का घंटों काटना, जिनके लिये मानसिक अशान्ति का कारण न बन सका, सिंह निष्क्रीड़ित व्रत के लम्बे उपवास के समय ज्वर का प्रकोप जिनको शिथिलाचार की ओर ठेल न सका, कंचन और कामिनी जैसे मोहक पदार्थ जिनके संयम साधना में बाधक न बन सकें उन योगिराज की आत्मा कितनी महान थी, यह सहज ही में अनुमान लगाया जा सकता हैं।

- शेखरचंद पाटनी

दानवीर नगरी पांडिचेरी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

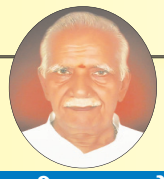

स्व. श्री नथमल जैन

गौतमचंद विशाल सेठी (गौतम ज्वैलर्स)

श्रीमती मनफूल देवी जैन

श्री सन्मति विजया एवं रिद्धी सिद्धी महिला मण्डल

रमेश तिजारिया, जयपुर

मदनलाल राजेन्द्र अरविन्द, मनोज सुनील कासलीवाल

सुधान्शु कासलीवाल जयपुर

सोहनलाल विदीत कासलीवाल
सोहनलाल पहाड़िया
मनीष मार्बल
दीप ज्वेलर्स (दीप कुमार बज)
चिरंजीलाल हेमंत शरद कासलीवाल
मनीष प्रणय सेठी
बुद्धराज, प्रसन्ना, बिमल कासलीवाल

रिखबचंद पाटोदी
शांतिलाल लूणकरण रेशमा पाटनी
गजराज भरत सुशील कोठारी
चम्पालाल निरंजन कासलीवाल
धर्मचन्द शकुन्तला जैन व्रती श्रावक
आसूलाल भागचन्द कासलीवाल
गणपत कोठारी

हुलास चन्द सबलावत परिवार, रेडिप्रिन्ट जयपुर
नवरत्नमल पाटनी अष्टम प्रतिमाधारी जयपुर
संतोष, अजय, अनुज, आशीष, अतिशय, अनवीर
श्री दिगम्बर जैन समाज सेलम
विजयकुमार कासलीवाल कुचील वाले किशनगढ़
अशोक चूड़ीवाल बरपेटा रोड, आसाम
श्रीमती सरोजदेवी पांड्या, गुवाहाटी

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233,
7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
.....
.....
.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।